वर्ष-10, अंक-193
इन्दौर, गुरुवार
10 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

देवी का अष्टम स्वरूप महागौरी

ध्यान मन्त्रः
श्वेते वृषे समारुढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।।
!! ध्यान !!
वन्दे वाञ्छित कामार्थे चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
सिंहारूढा चतुर्भुजा महागौरी यशस्विनीम्॥
पूर्णन्दु निभाम् गौरी सोमचक्रस्थिताम्
अष्टमम् महागौरी त्रिनेत्राम्।
वराभीतिकरां त्रिशूल डमरूधरां महागौरी भजेम्॥
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालङ्कार भूषिताम्।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल मण्डिताम्॥
प्रफुल्ल वन्दना पल्लवाधरां कान्त कपोलाम् त्रैलोक्य मोहनम्।
कमनीयां लावण्यां मृणालां चन्दन गन्धलिप्ताम्॥
!! स्तोत्र पाठ !!
सर्वसङ्कट हन्त्री त्वंहि धन ऐश्वर्य प्रदायनीम्।
ज्ञानदा चतुर्वेदमयी महागौरी प्रणमाम्यहम्॥
सुख शान्तिदात्री धन धान्य प्रदायनीम्।
डमरूवाद्य प्रिया अद्या महागौरी प्रणमाम्यहम्॥
त्रैलोक्यमङ्गल त्वंहि तापत्रय हारिणीम्।
वददम् चैतन्यमयी महागौरी प्रणमाम्यहम्॥
देवी महागौरी का कवच
ऊँ कारः पातु शीर्षो मां, हीं बीजम् मां, हृदयो।
क्लीं बीजं सदापातु नभो गृहो च पादयो॥
ललाटं कर्णो हुं बीजम् पातु महागौरी मां नेत्रं घ्राणो।
कपोत चिबुको फट् पातु स्वाहा मा सर्ववदनो॥

राजीव नन्दन मिश्र, सरना,
भोजपुर (बिहार)
मो. - 7004235870

हरियाणा के नतीजे हैरान करने वाले: राहुल

कांग्रेस जीत को हार में बदलना जानती है, महाराष्ट्र में अकेले लड़ना हो तो बता दे : शिवसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बुधवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने X पर पोस्ट में कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे हैरान करने वाले हैं। राहुल ने लिखा, हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। कई विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतें आ रही हैं। हम चुनाव आयोग को इससे अवगत कराएंगे। हम हक का, सामाजिक और आर्थिक न्याय का,

सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे। राहुल ने जम्मू-कश्मीर में I.N.D.I.A गठबंधन की जीत पर लोगों का आभार जताया। हरियाणा में भाजपा से हार पर I.N.D.I.A ब्लॉक के नेताओं ने कांग्रेस की नीति पर सवाल उठाए। शिवसेना (उद्धव गुट) ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा कि कांग्रेस जीत को हार में बदलना जानती है। ज्ञस्ष्ट नेता साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को हीन दृष्टि से देखना हार का कारण बना। शिवसेना ने सामना में लिखा, हरियाणा की हार से कांग्रेस को सीख लेने की जरूरत है। हरियाणा की हार कांग्रेस के ओवर कॉन्फिडेंस और राज्य के नेताओं के अहंकार का नतीजा है।

हरियाणा में एमपी-राजस्थान की तरह 2 डिप्टी सीएम होंगे

मंत्रिमंडल में 10 नए चेहरों को मिल सकती है जगह, सैनी ही होंगे मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा विधानसभा में भाजपा की जीत की हैट्रिक के बाद अब नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि हरियाणा में भी पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा की तरह दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला ला सकती है। वरिष्ठता के आधार पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज और एक ब्राह्मण विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। भाजपा विधायक दल की बैठक गुरुवार को होगी। इसमें विधायक दल का नेता नायब सैनी को चुना जाना तय है। इसके लिए नायब सैनी दिल्ली भी गए । उधर, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के दिल्ली निवास पर राज्य के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सह प्रभारी बिप्लव देब ने रणनीति तैयार की है। इस बैठक में मंत्रियों के नामों सहित अन्य मामलों पर चर्चा की गई।

दिल्ली में सीएम आवास सील: सीएम आतिशी का सामान बाहर निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी के आवास से जुडी बड़ी खबर है। पीडब्ल्यूडी ने बुधवारों दोपहर 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास को सील कर दिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय की तरफ से इसे एलजी की तरफ से जबरन की गई कार्रवाई करार दिया है। साथ ही आरोप लगाया है कि यही नहीं दिल्ली सीएम आफिस ने आशंका कि इस आवास को भाजपा के किसी बड़े नेता को दिया जा सकता है।

दो अधिकारियों को नोटिस जारी

सीएमओ की ओर से कहा गया है कि भाजपा के इशारे पर

एलजी ने जबरन सीएम आतिशी का सामान सीएम आवास से निकाला है। एलजी की तरफ से भाजपा के किसी बड़े नेता को सीएम आवास आवंटित करने की तैयारी चल रही है। 27 साल से दिल्ली में वनवास काट रही भाजपा अब सीएम आवास कब्जा करना चाहती है। पीडब्ल्यूडी के दो सेक्शन ऑफिसर को भी कारण बताव नोटिस जारी किया गए है।

भाजपा का आरोप

वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का कहना कि इस आवास का नक्शा पास नहीं हुआ था। कंप्लीशन सर्टिफिकेट नहीं था। सचदेवा का यह भी आरोप है कि अरविंद केजरीवाल पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री आतिशी को आवास सौंपना चाहते थे।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो प्रगति की राह पर जम्मू-कश्मीर

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन को लेकर कहा कि राज्य की जनता आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ एकजुट होकर प्रगति की राह पर निरंतर अग्रसर है। डॉ यादव ने कल देर रात एक्स पोस्ट में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में सुरक्षा, विकास और समृद्धि के नित नये शिखरों को स्पर्श कर रहे जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया है। राष्ट्र प्रथम के ध्येय के साथ %विकसित और सुरक्षित जम्मू-कश्मीर के संकल्प की सिद्धि के लिये दिन-रात कार्य कर रहे सभी भाजपा पदाधिकारियों एवं देवतुल्य

कार्यकर्ता बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। भाजपा को अब तक के इतिहास में सर्वाधिक सीटों पर अभूतपूर्व विजय का आशीर्वाद देने वाली जम्मू-कश्मीर की जनता-जनार्दन का हृदय से आभार। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुसार जम्मू-कश्मीर की जनता आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ एकजुट होकर प्रगति की राह पर निरंतर अग्रसर है।

ट्रेनी डॉक्टर को न्याय दिलाने

देशभर में डॉक्टर्स एसोसिएशन ने की भूख हड़ताल

कोलकाता, (एजेंसी)।

कोलकाता दुष्कर्म-मर्डर मामले के खिलाफ फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन बुधवार को देशभर में भूख हड़ताल कर रही है। एसोसिएशन का कहना है कि जब तक ट्रेनी डॉक्टर को न्याय नहीं मिलता, तब तक वे प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस भूख हड़ताल में दिल्ली के डॉक्टर्स भी शामिल हो गए हैं। हड़ताल के समर्थन में बुधवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टर्स ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में इस्तीफा दे दिया। एक सीनियर ने बताया कि जूनियर डॉक्टर्स एक मकसद के लिए आमरण अनशन कर रहे हैं। हम उनके साथ खड़े हैं और यह संदेश देने के लिए हमने इस्तीफे दिए हैं। दरअसल, कोलकाता में जूनियर डॉक्टर 5 अक्टूबर से आमरण अनशन कर रहे हैं। वे हेल्थ सेक्रेटरी को हटाने समेत नौ मांगों को मनवाने के लिए अड़े हैं।

बंगलादेश के पूर्व सांसद माणिक गिरफ्तार

ढाका, (एजेंसी)। बंगलादेश के पूर्व सांसद मोहिबुर रहमान माणिक को रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने जुलाई-अगस्त में देश में हुए कोटा विरोधी छात्र आंदोलन में शामिल लोगों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस आंदोलन ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। स्थानीय अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने बुधवार को बताया कि अवामी लीग के नेता माणिक को मंगलवार शाम ढाका के वसुंधरा आवासीय इलाके से गिरफ्तार किया गया।

रूस के साथ जंग में किमजांग

सेना उतरी यूक्रेन के खिलाफ

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन के खिलाफ रूस की युद्ध में अब उत्तर कोरिया ने भी अपनी सैन्य ताकत का सहयोग देना शुरू कर दिया है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने सैनिकों को पूरी सैन्य साजो-सामान और हथियारों के साथ रूस का समर्थन करने के लिए भेजा है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग युवान के अनुसार, उत्तर कोरिया के 6 सैनिक 3 अक्टूबर को डोनेट्स्क के नजदीक यूक्रेनी मिसाइल हमले में मारे गए हैं। यूक्रेन की मीडिया ने इस घटना की जानकारी पिछले हफ्ते दी थी। बता दें कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जून 2024 में मुलाकात की थी, जिसमें दोनों देशों के बीच आपसी रक्षा समझौते पर सहमति बनी थी। रूस को उत्तर कोरिया का समर्थन मिलना यूक्रेन युद्ध के लिए एक नया मोड़ हो सकता है। उत्तर कोरिया के साथ चीन भी रूस का समर्थन कर रहा है।

बंगलादेश के पांच मछुआरों का अपहरण

ढाका, (एजेंसी)। बंगलादेश के दक्षिणी शहर टेकनाफ के निकट नाफ नदी में मछली पकड़ते समय म्यांमार की अराकान सेना के संदिग्ध सदस्यों ने पांच मछुआरों का अपहरण कर लिया है। स्थानीय अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने बुधवार को बताया कि यह घटना कॉक्स बाजार जिले के नयापारा इलाके में सोमवार अपराह्न तब हुई, जब मछुआरे नाफ नदी में मछली पकड़ने गये। रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक मछुआरों को वापस नहीं किया गया है।

आरबीआई ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई नें एक बार फिर राहत भरा फैसला लिया है। इससे न तो लोन की ईएमआई बढ़ेगी और न ही लोन महंगे होंगे। ये इसलिए संभव हुआ है कि आरबीआई ने 10वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। यह निर्णय 7 अक्टूबर से चल रही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में लिया गया, जिसकी जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को दी।

अंतिम बार फरवरी 2023 में ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। बता दें कि बैंक ने लगातार 10वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में बताया कि आने वाली तिमाहियों में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी अच्छी रह सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में, उन्होंने अपने आर्थिक अनुमान में इजाफा किया है। तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.4प्रतिशत रखा गया है, जबकि पहले यह 7.2प्रतिशत था। चौथी तिमाही के लिए भी ग्रोथ का अनुमान 7.4प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले 7.3 प्रतिशत था। वहीं, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रोथ का अनुमान 7.3प्रतिशत रखा गया है।

संपादकीय

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला रतन टाटा!

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व?यक्ति थे, जिन?होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन?हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है।उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं। टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं।उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष?य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम?मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं।रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन?हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच?चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में,भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया। नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे।

कहानी

यादगार करवाचौथ

सुनीति अपने पति राकेश को खाना खिलाते हुए हमेशा की तरह बड़ी उत्सुकता से पूछती आज काहे का डेकोरेशन करके आए हो। राकेश जल्दी-जल्दी खाना खाते हुए बेबी शावर सुनीती अरे वाह! जब भी राकेश के डेकोरेशन का एल्बम देखती तो उसे महिलाओं के विशेष प्रोग्राम का डेकोरेशन देख बहुत खुशी होती सोचती वो महिलायें कितनी खुशनसीब है जिनके लिए स्पेशल प्रोग्राम इतनी तैयारी के साथ होता है।कभी-कभी तो राकेश को कहती मुझे भी कभी साथ लेकर जाओ मैं भी देखूँगी। राकेश अपनी दमदार आवाज में कहता वहाँ तुम्हारा क्या काम। सुनीता मुँह लटका कर बैठ जाती एक दिन राकेश को फ्लावर डेकोरेशन करना था तो फूल वाली चमेली की दुकान गया और उससे ऑर्डर के अनुसार फूल व फूल मालाये पैक करने को अपनी रौबदार आवाज में कहा चमेली हमेशा की तरह मुस्कुराती हुई ऑर्डर पैक करने लगी। आज वह भी पूछ बैठी साहब कौन से प्रोग्राम का डेकोरेशन है? राकेश करवा चौथ चमेली आप सभी त्यौहार बड़ी साज सज्जा से मनाते हो। राकेश भाई आर्डर है। लोगों के लिए काम करता हूँ। चमेली उसके तनाव भरी आवाज से चुप हो गई और ऑर्डर पैक कर उसे पकड़ा दिया। राकेश थैला उठाकर अपनी मोटरसाइकिल पर टांग रहा था तभी चमेली दौड़ कर पास आयी और एक थैली पकड़ायी। उसने आश्चर्य से पूछा यह क्या? चमेली साहब, मेम साहब के लिए । राकेश ने अपने बैग में थैली रख ली और डेकोरेशन के लिए निकल पड़ा। वहाँ पहुंचा और अपने स्टाफ के साथ डेकोरेशन में लग गया। शाम 6-00 बजे तक पूरा डेकोरेशन तैयार था पूजा करने वाली महिलाएं अपने पति के साथ आयी हुई थी। सभी महिलाएं सोलह सिंगार कर सजी थी। उनके चेहरे भी खुशी से चमक रहे थे वहां का माहौल डेकोरेशन से और भी खूबसूरत लग रहा था। पूजा कर चाँद के इंतजार में महिलाओं के चेहरे देखने लायक थे। चाँद बादलों की ओट में जा चुका था जैसे उनके प्रेम की परीक्षा ले रहा हो। आखिर चाँद निकल आया सभी का इंतजार पूरा हुआ । सभी के लिए स्टाफ ने खाने की टेबल सजाई और जोड़े से बैठाया गया सभी पत्नियों ने अपनी-अपनी पत्नियों को पहले पानी फिर मिठाई खिलाकर व्रत पूरा करवाया उनमें महिलाओं के चेहरे पर व्रत पूर्ण कर सकून दिखाई दे रहा था। सभी हंसी ठहाका करते हुए अपने अपने घर को चल दिए। राकेश व स्टाफ भी अपना शेष कार्य पूर्ण कर घर को चल दिए घर पहुंचा तो देखा सजी सँवरी सुनीति पूजा कर थाली लिए राकेश के इंतजार में बैठी थी। राकेश के आते ही उसका चेहरा खिल उठा चाँद के अर्ग का लोटा लिए दौड़ कर राकेश के पास गयी राकेश बहुत प्यास लगी है ।पानी पिला दो ना। राकेश ने घड़ी देखी रात के 1-00 बज गए थे और अपने आप को अपराधी सा महसूस कर हल्के से मुस्करा कर पहले सुनीति को पानी पिलाया फिर अपना बैग लेकर चमेली की दी हुई थैली निकाली और उसमें से फूलों का गजरा लेकर अपनी सुनीति के बालों में सजाने लगा सुनीति का चेहरा खिल उठा।

अभिव्यक्ति

कवि की सक्रियता

कवि यदि आला अफसर हो और ऐसा अफसर जिसके आगे सारे ठेकेदार, अधीनस्थ कर्मचारी नतमस्तरक हो तो जानिये बंदर के हाथ में ब्लेड वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

संयोग कहें या दुर्योग हमारे शहर में भी ऐसे करेले हैं जो नीम चढ़े हैं बहुत बड़े अधिकारी हैं जिनके हाथ से बनाये गए चिड़ियों मेरा मतलब हस्ताक्षरों से ठेकेदार कृतकृत्य हो उठते हैं। नकद पैसा पाकर, कर्मचारी का कल्याण हो जाता है। अधीनस्थ छोटे अधिकारी यात्रा रियायतों का लाभ उठाने लगते हैं।

एयर कंडीशन्डट कमरे में घूमने वाली कुर्सी तोड़ते-तोड़ते जोरदार चिड़िये बनाने वाले अफसर को यह गलतफहमी हो गई कि वे बहुत अच्छें कवि हो सकते हैं। कार्यालय में स्टेशनरी की क्या कमी हो सकती है बस, अफसर, कवि हो गये। पहले पहल दिक्कलत होती थी। फिर उन्होंने अपनी निजी सहायिका का सही उपयोग करना सीख लिया। वे वेदव्यास की तरह उच्चारते हैं, तो गणेशजी की तरह उनकी खूबसूरत कविता, कविता का शीघ्र लेखन कर डालती है (कविता उनकी निजी सहायिका का नाम भी है।)

एक दिन कवि अफसर ने मुझे अपने दफ्तर में बुला भेजा। चाय-नाश्ते के बाद बोले - राव! यह बताओ प्रसिद्धि कवि गोष्ठियों, सम्मेईलनों से अधिक मिलती है या प्रकाशन से लेकिन पत्र-पत्रिकाएं मेरी रचनाएं वापिस भेज देती हैं, तो क्यों न इन कविताओं को पुस्तकों का आकार दूं

मैं उनके सामने पुस्तक प्रकाशन संबंधी कठिनाइयों का बयान कर रहा था और वे शिशुपाल से गालियां सुनते कृष्ण की तरह मुस्कुरा रहे थे।

अंत में बोले- मैं फिर भी पुस्तक छपवाऊंगा, तुम देखना।

मैं देखने की उत्कंठा मन में लिये लौट आया। दो माह बाद उनकी पुस्तक कविता संग्रह 'बरबादी के बवंडर' छप कर आ गई। मैंने देखा शानदार छपाई, सुंदर साज-सज्जाी, डीलक्सं संस्करण था। कवि अफसर ने स्वयं की एक प्रकाशन संस्था खोल डाली थी।

अगली मुलाकात पर मैंने पूछा - इसे बेचेंगे कैसे मेरा प्रश्न पूरा हुआ न था कि उन्होंने घंटी बजायी। चपरासी अंदर झांक गया। जाओ जो बाहर बैठा है दलिद्दर सिह ठेकेदार उसे अंदर भेज दो।

ठेकेदार नतमस्तक होता हुआ अंदर आया।

क्यों सिह तुम्हारा बिल कितना है पास होने के लिये

जी। पैंतीस लाख का है जी।

हम साइन कर पास कर देंगे पर एक शर्त है हमारी।

कहिये अन्नेदाता।

मेरी कविता पुस्तक की तीस प्रतियां तुम्हें लेनी होंगी उनका चाहे जो करो, तीस प्रतियों की कीमत साढ़े सात हजार है। पहले साढ़े सात हजार रुपये निकालो और यह बंधा हुआ बंडल ले जाओ।

सिविल ठेकेदार ने कविता के ठेकेदार से सौदा पूरा किया। कवि अफसर ने बिल पर चिड़िया बनायी और चपरासी के हाथ रोकड़िया के पास भिजवाया। ठेकेदार कवितायी भार तीस प्रतियां ढोता हुआ प्रस्थान कर गया और मुझे हैरान।

मेरी ओर मुखातिब हो काव्याफसर ने विजयी मुस्कानन फेंकी। कहो! कैसी रही

लेकिन इससे ठेकेदार तो पिस जायेंगे।

उन लोगों को कितना फायदा होता है, वे किस कदर घटिया माल सप्लााई करते हैं तुम क्या जानो जहां तक पिसने वाली बात है, ऐसा नहीं है। मैं प्रतियां बिल के हिसाब से दूंगा। जैसे दस ने उन्नीस हजार तक दस प्रतियां, बीस से उन्तीस हजार तक बीस प्रतियां, अर्थात प्रति दस हजार दस प्रतियां। अपने अधीनस्थों से एक-एक, दो-दो प्रतियां खरीदवाऊंगा।

इतने में उनकी निजी सहायिका कविता अंदर आयी।

सारगर्भित स्मिंत सहित वे बोले - इस कविता कामिनी को मुफ्त में दो प्रतियां दूंगा क्योंकि मेरे लेखन का यह संबल रही।

मैंने कहा- आपको नीति आयोग का अध्यक्ष या वित्त मंत्रालय सौंपना चाहिए। सच! आप महान हैं। कवि कम महान अधिक हैं। इस प्रशंसा से वे खुश हो गये। काफी पिलाये। मैं चला आया काफी ढोंक कर।

फिर उनके कविता संग्रह लगातार छपते रहे। 'मरघट भी मैखाना' 'कांटो की खुशबू' 'मस्तिष्क की मुस्कामन' 'आबादी के आर-पार' आदि-आदि।

कुछ दिनों बाद पता चला कि वे सेवामुक्त होने वाले हैं। मैंने सोचा अब तो कविता संग्रहों की श्रृंखला खत्म हो जायेगी। एक दिन जब ये बाजार में मिले, मैंने वही प्रश्न पूछा। वे बोले-कैसे खत्म हो जायेगी नहीं, मैं अपने लड़के की शादी एक अतिविख्यात प्रकाशक की बेटी से कर रहा हूं ताकि मेरी पुस्तक छापे और स्वयं बेचे। अपने बेटे के लिये दहेज बिल्कुल नहीं लूंगा न। इसी दहेज पर मेरी एक संग्रह जल्द छपेगी। 'दहेज से दुश्मनी।'

मुझे लगा वह प्रकाशक जीवन भर के लिये काव्याफसर का बंधुआ हो गया।

उनकी बिदाई का समारोह बहुत आर्द्र रहा (सौहार्द्र नहीं) कई लोगों के चेहरे दैदीप्यनमान थे। मानो कह रहे हैं चलो--- बला टली। ठेकेदार अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय कविगण दूसरे शब्दों में सारा शहर जनक बन राम के साथ जानकी को विदा करने का दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। ठेकेदार संघ ने एक बहुत बड़ा पार्सल उपहार में दिया। मैंने सोचा-आजकल जो चार सूटकेस एक साथ वाला पैक सदा सुहागन आ रहा है वही होगा। उसे ढोने के लिये तीन कुली लग रहे थे। अपनी उत्कंठा और प्रसन्नता छिपाने में असफल कवि ने खुलवाने की ठानी। ठेकेदारों ने कहा नहीं------यहां नहीं, घर जाकर देखियेगा। पर वे नहीं माने और उस पार्सल को वहीं खुलवाकर दम लिया। वे सारी पुस्तकें जिन्हें दंड स्वरूप ठेकेदारों के माथे पर कवि द्वारा थोपी गई थीं-उसमें थीं। सेवामुक्त काव्याफसर बेहोश हो गया।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

मैहर के बाबा अलाउद्दीन खाँ साहब

(1952 के अक्टूबर महीने में बाबा शांतिनिकेतन में दिनेन्द्र प्राध्यापक बनकर पहुँचे थे। उनके संग पोता आशीष खाँ भी था। रोज महफिल जमती । बाबा वाद्य बजाते। हँसी-मजाक के साथ, गाना भी चलता। बीच-बीच में वो अपनी जीवन-गाथा भी सुनाते। इस महफिल में भोलू कागज-पेंसिल लेकर बैठता और तेजी से लिख लेता था सब। अगले दिन खाँ साहब को पढ़कर सुनाता। वे कहते, हाँ रे हाँ ! बिल्कुल हूबहू है... फिर सारा का सारा शुभमय घोष ने आमार कथा के रूप में लिखा। अशोक शहाणे ने मराठी में माझी कहाणी में इसे अनुवाद किया। और फिर राहुल बारपुते ने हिन्दी में मेरी कथा में इसे प्रस्तुत किया। तब अशोक वाजपेयी अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादेमी के संचालक हुआ करते थे। बाबा पर लिखी गई यह एक प्रमाणिक पुस्तक है।) प्रस्तुत आलेख, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ साहब पर उनकी आत्मकथा मेरी कथा में लिखित, जीवन-प्रसंगों का संपादित वर्णन है।

मेरी कथा से साभार।

बाबा मजे में बोल रहे थे।

उदय जाने वाला था यूरोप । नाच की टोली लेकर। मुझे भी साथ ले जाना उसके मन में था।

मैंने कहा-भैया, तुम लोग कितने दिन वहाँ रहोगे कौन जाने । मुझे तो साल भर से ज्यादा दिन रहना जमेगा नहीं।

जनवरी के महीने में भारत से निकले।

हमारी टोली में उदयशंकर, रवीन्द्रशंकर सिमकी, जोहरा बेगम, यहूदी मैनेजर ग्राटा और अन्य आठ-दस लोग थे।

मुझे बचपन से ही घूमने का शौक था ही। संगीत सीखने के लिए और देश देखने के लिए आठ साल की उम्र में ही माँ-बाप को छोड़ घर से भाग निकला था। जहाज पर चढ़ने के बाद लगा कि फिर से वह बचपन आ गया है। लेकिन यहाँ तो काँटा भी पकड़ना नहीं आता था। छुरी चलाना नहीं आता था। जहाज में बड़ी मुसीबत हुई। छोटी उम्र के लोगों ने झटपट सीख लिया। उदय वगैरह लोगों ने काफी दिन बिताए थे यूरोप में।

इसलिए उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं थी। मुश्किल तो सिर्फ मेरी ही थी। सबके साथ भोजन करने बैठता । लेकिन काँटा-चम्मच चलाने के मामले में बिल्कुल गँवार ! क्या करता हमारे पूर्वज तो शस्त्र चलाने में पटु थे। फिर खाते समय मुँह जरा ज्यादा खुल जाये या जरा-सी आवाज हो तो सब बिगड़ जाते।

(सफर करने वाले) अन्य-खासकर भारतीय-वे मेरे इस व्यवहार से शरम के मारे और गुस्से से लाल हो जाते । मैं उस ओर ध्यान नहीं देता।

शान्तिपूर्वक मैं अपना खाना निबटाता। कितनी ही बड़ी-बड़ी होटलों में और साहब लोगों की बड़ी-बड़ी पार्टियों में मैंने ऐसे अपना काम चलाया।

जहाज में क्या और पेरिस में क्या और डिब्हेन शायर में एल्महर्ट के घर क्या-सब जगह चार पैसे की कड़वे नीम के दातून से ही दांत साफ किये-बाथरूम में अपने हाथ से ही बनियान साबुन लगाकर धोई। सोते समय लुंगी ही लपेट लेता था। खाने के लिए ही अलग सूट नहीं सिलवाया।

एक ही सूट से सारे काम चलाये । लेकिन किसी ने भी इसी को लेकर मेरा मखौल नहीं बनाया। कार्यक्रम के समय हम सभी धोती और कुर्ता पहने रहते । यूरोप का भोजन मुझे बिलकुल अच्छा नहीं लगा। वहाँ पानी पीते ही नहीं। हमेशा दारू ली। मांस-मच्छी सब्जी में ना हल्दी ना मिर्च । सिर्फ उबालकर धर देते। मैं तो वैसे भी मांस-मच्छी नहीं खाता था । तिस पर यूरोप में उबले हुए मांस-मच्छी की तो बेहद गन्ध आती। सभी चीजों से यह ब आती थी मझे तो जैसे कै आती। बाकी सब लोग ठाठ से खाते ।

हाँ, इंग्लैण्ड में परमल जरूर अच्छे मिलते थे। मैं मुट्ठी भरकर वही खाता था। हमारी टोली के काफी लोग चना परमल भक्त बन गये। दूध और दही भी बहुत अच्छा मिलता था। मुझे उनकी भाषा जरा भी समझ में नहीं आती लेकिन उससे कुछ खास कष्ट नहीं हुआ। उदय वगैरह को फ्रेंच, जर्मन, अंग्रेजी अच्छी आती थी। मेरे साथ दुभाषिये का काम उदय ही करता था। बुडापेस्ट, विएना-पेरिस में कई गुणी गायक-वादक गाने-बजाने की चर्चा करने आते । उदय, मुझे और उन्हें सब कुछ समझता था। फिर इनकी भाषा मुझे नहीं आती। इसका दुःख होता था। उदय के साथ ही मैं सब कहीं घूमता था। वही मुझे साथ ले जाकर सारा दिखा लाता।

वहाँ की होटलों के स्त्री-पुरुष-नौकर बहुत अच्छे थे, तेज़ थे। मैं हाव-भाव से उन्हें कुछ समझा देता तो वे बिलकुल सही काम करते थे। एक दिन एक होटल में मुझे बेहद भूख लगी थी। मैनेजर को फोन किया लेकिन मुझे भूख लगी है यह मैं उन्हें समझा नहीं पा रहा था। क्या चिल्लपों मची। मैनेजर कुछ भी नहीं समझने के कारण सिर्फ चिल्ला रहा था। डरकर मैंने फोन बन्द कर दिया। तुरन्त मैनेजर मेरे कमरे में हाजिर। फिर मैंने हाव-भाव से उसे सब समझाया।

उदय का नाच, हमारा कॉन्सर्ट और सरोद, सितार सब देखकर-सुनकर लोग मुग्ध हो जाते थे। अख़बारों में रोज हमारे शो सम्बन्धी चर्चाएँ आतीं और तस्वीरें छपतीं । उदय का नाम तो सभी की ज़बान पर था। हमारे बाहर निकलते ही हमारे इर्द-गिर्द भीड़ इकट्ठा हो जाती। सब लोग हमारे लिए जगह बना देते । मैं बूढ़ा, तो बस या गाड़ी में चढ़ते समय लोग मुझे हाथ देकर ऊपर ले लेते। बैठाते । एक दिन एक महिला ने मेरी ओर हाथ बढ़ाया। मुझ पर भारत के संस्कार । मैंने अपना हाथ पीछे खींच लिया। पीछे खिसका तो वह महिला और भी आगे बढ़ी।फिर वह थी भी पहलवान । उसने मुझे बस में खींच लिया। जगह बनाकर बैठाया। बाद में भी ऐसे कई प्रसंग आये। लेकिन फिर मुझे संकोच नहीं हुआ। जेरुसलेम के लाट साहब ने हमें एक भारी दावत दी। उस समय उन्होंने बड़ा ही सुन्दर भाषण दिया। भारत के संगीत की तथा नृत्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

फिर भी पैलेस्टाइन, तुर्कस्तान, इजिप्ट में संगीत के प्रति उन देशों में ऐसी ओछी भावना नहीं है। वहाँ के गाँवों के छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियाँ कितना सुन्दर नाचते-गाते हैं । उदय के तो हर नाच में हिन्दुओं के देवी-देवताओं की कथाएँ। फिर भी सभी स्तर के मुसलमानों को यह नाच देखकर आनन्द ही हुआ। और उन्होंने खुले दिल से प्रशंसा ही की। उन लोगों के हृदय में ही संगीत है। और उनका लम्बा चौड़ा लाल सुन्दर चेहरा, सुन्दर लिबास, ऊँचे दर्जे के संस्कार, अपने देश के मुसलमानों से वे कहीं ज्यादा सुन्दर, और ज्यादा महान हैं । वहाँ की महिलाएँ भी बुरका छोड़कर, बाहर पुरुषों के साथ बराबरी से काम करती हैं। वे भी काफी तन्दुरुस्त । और मेहनत करने की ताकत भी खब। अपने देश के बच्चों को एक बार अरबिस्तान-तुर्किस्तान घुमाकर लाना। ग्रीस में हम महीना-भर थे। हजार-हजार लोग उदय का नाच देखने आते। और अख़बारों में कितनी तस्वीरें और प्रशंसा!

वहाँ से फिर रूमानिया, बलगेरिया, चेकोस्लोवाकिया, युगोस्लाविया, हंगेरी, आस्ट्रिया, पोलैण्ड, स्विटजरलैण्ड, बेल्जियम, स्वीडन, फ्रांस आदि देशों के बड़े-बड़े शहरों में चार महीने कार्यक्रम होते रहे। हर जगह प्रशंसा सम्मान, राजे-रजवाड़े, मन्त्री-प्रेसीडेण्ट आदि की दावतें, अखबारों में ढेरों तस्वीरें और थियेटर में लोगों की भीड़। उदय जब स्टेज पर आतातो थियेटर के लोगों की तालियों की बौछारों से ऐसा लगता कि थियेटर सिर पर गिरने जा रहा है। फूलों के गुच्छों से स्टेज भर जाता था। कार्यक्रम समाप्त कर रात में घर जाते समय उदय को देखने के लिए लोग झुण्ड बनाकर खड़े रहते ! यूरोप में सभी जगह ऐसी भीड़ होती-सिर्फ लन्दन को छोड़कर ।

विएना, पेरिस, प्राग, बुडापेस्ट इत्यादि शहरों में संगीत और कला के प्रति आस्था विशेष रूप से दिखायी दी। इनमें से हर शहर में ख़ास संगीत के लिए अलग से म्यजिक हॉल था। हॉल भी ऐसा बना हआ कि कहीं भी बैठे तो भी संगीत की सूक्ष्म सी झनकार भी सुनायी दे जाये। फिर एक-एक हॉल में दस-बारह हजार लोग समाते थे। गाना-बजाना शुरू होते ही सभी ओर खामोशी छा जाती। प्रकाश की सिर्फ एक फीकी सी किरण मुझ पर पड़ती। सारा थियेटर इतना शान्त होता कि लगता कि हम हिमालय की गुफ़ा में बैठकर ही बजा रहे हैं। लेकिन आखिर में लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट और सराहना की आवाजें। लगातार चार-पाँच बार बजाना पड़ता । फिर भी कहते, और होने दीजिए। ऐसे श्रोताओं के सामने बजाने में और उनसे चर्चा करने में मुझे बड़ा उत्साह लगता। तन्मयता से मैं बजाता। इतना खद को भलकर तो मैंने भारत में भी कभी कहीं भी नहीं बजाया था। मेरी लकड़ी का निर्जीव वाद्य सजीव हो उठता था। यूरोप के श्रोताओं के सामने बजाकर मुझे जो आनन्द मिला वैसा और कहीं भी नहीं मिला।

पेरिस में हम एक्चेलिया होटल में ठहरे थे। करीब-करीब एक महीना भर हम वहाँ थे। भारत के सभी वाद्यों की एक प्रदर्शनी वहाँ लगायी। हमारे साथ क़रीब सभी प्रकार के वाद्य थे ही। बहुत लोग यह प्रदर्शनी देखने आते। उनमें बड़े-बड़े गवैये-बजवैये भी रहते। कौन-सा वाद्य कैसे बजाते हैं, क्या नाम है, शुरू से इतिहास क्या है-इत्यादि अनेक बातों की जिज्ञासा उनमें रहती। फ़ोटो उतारते। भारत के संगीत के लिए पैरिस के लोगों में प्रचंड उत्साह था। हमारा संगीत मन में अत्यन्त सूक्ष्म स्पन्दन निर्माण करता है इसका अहसास उन्हें होता था।

एक दिन होटल में कुछ अमेरिकन और यूरोपियन जवान लड़कियाँ आयीं । उन्हें मेरा सरोद सुनना था । अमेरिकन युवतियाँ माने बड़ी चुलबुली । फ़िलहाल उनके यहाँ ओरिएण्टल म्यूजिक की फैशन ही है, तो वापिस जाने के बाद कह पाएँ कि हम सुनकर आये हैं, इसलिए सुनना चाहती होंगी ऐसा मुझे लगा। दोपहर तीन का समय था। खीजकर मैंने भीमपलास शुरू किया। शुरूआत करते ही नजर आया कि यह कोई वैसी लड़कियाँ नहीं हैं। बेहद मन लगाकर सुन रही हैं । स्वरों के अन्दर घुसना चाह रही हैं। बहुत अच्छा लगा। मन लगाकर तीन घण्टे तक मैंने बजाया। छ- बजे मैंने आँखें खोली तो वे सभी लड़कियाँ एक ही स्थान पर चुपचाप बैठी हुई हैं और उनकी आँखों से आंसुओं की धाराएँ बह रही हैं। रोना रुकने का कोई लक्षण नहीं। गला रुँधा हुआ। दूसरे ही क्षण वे दौड़कर आयीं और मुझसे लिपट गयी और मेरे माथे को चूमने लगीं।

यूरोप में बहुत जानकार संगीतज्ञों से चर्चाएँ हुईं। अपने संगीत की काफी जानकारी उन्हें हासिल करने की इच्छा थी। रागरागिनियों में कौन-से भाव रहते हैं इत्यादि बातें मैं उन्हें समझाता । आपने खुद कुछ कम्पोज वगैरह किया है या नहीं, यह वे जरूर पूछते । अब भारत की राग-रागिनियाँ तो यूरोप के समान किसी ने कम्पोज नहीं की हैं।

पद्म भूषण, पद्म विभूषण, एक देशभक्त भारतीय, रतन नवल टाटा

28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा ने 9 अक्टूबर 2024 को इस फ़ानी दुनिया को टाटा कह दिया। सूरत में पिता नवल टाटा और माता सूनी टाटा के घर जन्मे रतन की प्रारम्भिक शिक्षा मुंबई के कैंपियन स्कूल में हुई जहां उन्होंने 8वीं कक्षा तक पढ़ाई की फिर मुंबई के ही कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल, शिमला के बिशप कॉटन स्कूल और न्यूयॉर्क शहर के रिवरडेल कंट्री स्कूल में पढ़ाई की। स्कूली शिक्षा पूर्ण होने के बाद रतन ने कॉर्नेल विश्वविद्यालय से उन्होंने 1962 में वास्तुकला में स्नातक की डिग्री हासिल की। 1975 में उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम की डिग्री हासिल की। जब जेआरडी टाटा ने 1991 में टाटा संस के अध्यक्ष पद छोड़ते हुए रतन टाटा को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया तब कंपनी के कई दिग्गजों ने इस निर्णय का कडा प्रतिरोध किया था लेकिन बगैर कोई प्रतिक्रिया दिए टाटा संस के चेयरमैन बनने के बाद अपने कुशल नेतृत्व से रतन टाटा ने 5 बिलियन डॉलर के टाटा समूह को 100 बिलियन डॉलर की वैश्विक दिग्गज कंपनी में बदल दिया, जिसका परिचालन आज दुनिया के 100 से भी अधिक देशों में होता है। एक महान देशभक्त भारतीय नागरिक के रूप में वो अपनी हर कारोबारी पहल में भारत को सबसे पहले रखते थे। पूरी दुनिया में बसे करोड़ों भारतीयों के लिए वो भारतीयता के प्रतीक थे। अगर टाटा का रिश्ता %नमक% से है, तो रतन %भारत की चमक% हैं और रहती दुनिया तक यह चमक कायम रहेगी। अपने शांत, गंभीर, विनम्र और दयालू स्वभाव और प्रेरक जीवनचर्या के चलते रतन टाटा ने टाटा समूह के लाखों कर्मचारियों और करोड़ों लोगों के मन पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। अपनी कारोबारी सूझबूझ, शालीनता, गरीमामय भविष्यवादी दृष्टीकोण, विचारों में स्पष्टता, निर्णयों में दृढ़ता और परोपकारिता के चलते उनके नेतृत्व में टाटा का नाम एक वैश्विक भरोसा बन चुका है। उन्होंने नमक से लेकर स्टील, सॉफ्टवेयर से लेकर ऑटोमोबाइल और एविएशन तक का सफर चमत्कृत कर देने वाली सफलता के साथ तय किया। रतन टाटा ने टेटली, जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) और एंग्लो-डच स्टील निर्माता कोरस का अधिग्रहण किया, जिससे टाटा समूह की वैश्विक छवि मजबूत हुई। यूं तो उनको अनेकों कारोबारी सम्मान मिले हैं लेकिन पद्म भूषण, महाराष्ट्र भूषण, पद्म विभूषण, नाइट ग्रैंड क्रॉस ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ द ब्रिटिश एम्पायर, असम बैभव और ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। वह मदिरा देवान या धूम्रपान जैसी प्रचलित बुराईयों से दूर थे लेकिन समय मिलने पर कार चलाना, जेट विमान उड़ाना और सप्ताहांत में मुंबई के बंदरगाह पर अपनी स्पीड बोट दौड़ाना उनके पसंदीदा शौक थे। उनका विचार था कि हर भारतीय के पास अपनी कार होनी चाहिए। इसी विचार के चलते 2008 में उन्होंने अपनी निजी देखरेख में बनी दुनिया की सबसे सस्ती कार नैनो लॉन्च की थी। उन्होंने टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित आदर्शों के साथ कभी समझौता नहीं किया चाहे उसके लिए उनको कोई भी कीमत क्यों ना चुकानी पडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को रतन टाटा के निधन की खबर आने के बाद कहा, श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही, उनका योगदान बोर्डरूम से कहीं आगे तक गया। उन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों को अपना मुरीद बना लिया था।

ब्रिटेन के व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि टाटा व्यापार जगत के दिग्गज थे, जिन्होंने ब्रिटिश उद्योग को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाई। देश के एक महान सपूत को श्रद्धांजलि देते हुए हम समस्त भारतीय यही कह सकते हैं कि उनकी विरासत हमें प्रेरित करती रहेगी, और हम उन सिद्धांतों को कायम रखने का प्रयास करते रहेंगे जिनका उन्होंने इतने जुनून के साथ ताउम्र पालन किया था।

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र

बालिका सुरक्षा के लिए समग्रता और समन्वय से होगा काम : संभागायुक्त

संवेदनशील बालिकाओं के लिए इंदौर पुलिस द्वारा चलाया गया सृजन कार्यक्रम सराहनीय संभागायुक्त ने महिला एवं बाल विकास तथा पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक ली

इंदौर।

इंदौर पुलिस ने संवेदनशील बालिकाओं की सुरक्षा, मार्गदर्शन और जागरूकता के लिए सृजन कार्यक्रम चलाया हुआ है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज पुलिस विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक लेकर इस दिशा में और परिणाम मूलक कार्य करने की योजना पर चर्चा की।

बैठक में एडीशनल पुलिस कमिश्नर श्री मनोज श्रीवास्तव, डीसीपी हेडक्वॉर्टर श्री जगदीश डाबर, महिला सुरक्षा शाखा की एडिशनल एसपी श्रीमती प्रियंका डोडवे, महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक सुश्री संध्या व्यास सहित अन्य अधिकारीगण एवं इस क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने बैठक में कहा कि बालिका अपराध संबंधी रियल टाइम रिपोर्टिंग और अलर्ट के लिये मोबाइल-एप भी बनाया जाना चाहिये। बालिका सुरक्षा के लिये प्रमुख रूप से पुलिस के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग समग्रता और समन्वय के कार्य करें। बालिकाओं में निडरता और जागरूकता के प्रसार के लिये अधिक समेकित प्रयास करें। बैठक में श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि सामुदायिक पुलिसिंग के तहत अपराध नियंत्रण का सृजन कार्यक्रम इंदौर पुलिस द्वारा दिसंबर 2023 से संचालित हैं। इसके अंतर्गत शहर की चिन्हित बस्तियों का डोर-टू-डोर सर्वे कर 12 वर्ष से18 वर्ष आयु की बालिकाओं का समूह बनाया गया है। इनके साथ पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग अन्य शासकीय विभाग एवं स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर बालिकाओं से संवाद स्थापित करते हैं। कार्यशाला एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं में सुरक्षा की भावना एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य किया जाता है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा कि पुलिस के इस प्रयास में अब महिला एवं बाल विकास विभाग अपना इंफ्रास्ट्रक्चर का सहयोग भी देगा। बालिकाओं के प्रशिक्षण इत्यादि के लिए पुस्तिकाएं और अन्य तरह की सामग्री भी तैयार की जाएगी।

बैठक में नोडल अधिकारी श्रीमती प्रियंका ने बताया कि सृजन कार्यक्रम के तहत 12 से 18 वर्ष की बालिकाओं को सुरक्षा हेतु होने वाले अपराधों के प्रति जागरूक करने एवं अपराधों को रोकने का कार्य किया जा रहा है। बालिकाओं का पुलिस से सीधा सम्पर्क स्थापित करना हमारा उद्देश्य है। ताकि मुसीबत के वक़्त सीधा पुलिस से संपर्क हो सके। सृजन की एक कोर टीम गठित की गई है, जिसमें पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा श्रीमती प्रियंका डोडवें को नोडल अधिकारी बनाया गया है। महिला आरक्षकों को चिह्नित कर उन्हें पुलिस दीदी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इंदौर के समस्त थानों में ऊर्जा डेस्क संचालिका एवं बाल कल्याण अधिकारी को भी कोर टीम का सदस्य बनाया गया है।ॅ डीसीपी पुलिस मुख्यालय श्री जगदीश डाबर ने बैठक में बताया कि ऐसे क्षेत्र जहाँ पर बालिकाओं के प्रति ज़्यादा अपराध होते हैं उन्हें चिह्नित किया गया है। ऐसे हाट-स्पाट एरिया वाले थाना क्षेत्रों में सृजन बालिका समूह बनाए गए हैं। 12 से 18 वर्ष की बालिकाओं का डोर-टू-डोर सर्वे कर उनका डाटा एकत्रित किया गया है। ताकि समस्याओं को भी चिह्नित किया जा सके। बैठक में तय किया गया कि आने वाले समय में चंदन नगर एवं आज़ाद नगर जैसे क्षेत्रों में भी डोर-टू-डोर सर्वे किया जाए। विद्यालयों को सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित बनाने के लिए स्क्क एवं गाइड लाइन तैयार की जाए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक सुश्री संध्या व्यास ने बैठक में बताया कि विभाग द्वारा इन्हें उद्देश्यों के लिए सेफ़ सिटी कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं को शहर में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। ताकि वे सभी प्रकार की हिंसा के भय से मुक्त होकर सुरक्षित जीवन जी सकें।

विचार प्रवाह

दुनिया की सबसे कड़वी चीज़ सत्य

दुनिया की सबसे कड़वी चीज़ अपने बारे में सत्य को जानना है । मनुष्य जानता है कि वह गलती कर रहा हैं और जानबूझकर कर रहा है पर फिर भी मानने के लिए तैयार नहीं है । उसे लगता है कि मैं जाकर भगवान के पास पूजा प्रार्थना कर लूंगा , उस मूर्ख को लगता है कि बुरे कर्म करने वाला अगर भगवान के पास सच्चे दिल से पूजा प्रार्थना कर लें तो भगवान उसको माफ़ कर देंगे और वह दोबारा से फिर पाप कर सकता है । जो जितना ज़्यादा पाप करता है वह उतना ज़्यादा पूजा करता है बस यह सोचकर कि भगवान मुझे माफ़ कर देंगे ,मैं और पाप करूँगा ।सच को स्वीकार करना। दुनिया की सबसे कड़वी चीज होती है ÷सत्य÷ जो कि आज के जमाने में कोई नहीं सुनना चाहता। सत्य हमेशा कड़वा होता है।मानव जीवन का आधार है प्रेम। जिस किसी के जीवन में प्रेम है केवल वहीं व्यक्ति जीवन में शांति पा सकता है क्योंकि शांति प्रेम में ही निहित है। ऐसा कहा जाता है कि अगर जीवन में प्रेम नहीं हो तो वो व्यक्ति चाहे सब कुछ पा भी ले परंतु बावजूद इसके वह व्यक्ति संतुष्टि नहीं मिलती। सत्य हमेशा कड़वा होता है। सच को स्वीकार करना। दुनिया की सबसे कड़वी चीज होती है ÷सत्य÷ जो कि आज के जमाने में कोई नहीं सुनना चाहता। सत्य हमेशा कड़वा होता है। मनुष्य सत्य सुनने से बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता है और सत्य को जानते हुए भी दुश्मन बन जाता है ।जीवन की कड़वी सच्चाई जिसे हम समझना नहीं चाहते !!! अगर उपवास करके भगवान खुश होते, ज तो भूखे रहनेवाला भिखारी सबसे सुखी इन्सान होता.. ज इंसान खुद की नजर में सही होना चाहिए, दुनिया तो भगवान से भी दुखी है!जीवन की वास्तविकता यह है कि मनुष्य जितना चाहे उतना प्रभावशाली, समृद्ध और शक्तिशाली हो सकता है लेकिन उसकी स्थिति कुछ भी नहीं है और एक महामारी ने दुनिया की मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और शक्तिशाली शासकों को हिला दिया।जीवन का परम सत्य मोक्ष है और उसको परमात्मा /ब्रह्म की साधना उपासना ध्यान पुजा पाठ जप वेद शास्त्र पुराण उपनिषद भगवत गीता के सवाध्याय /अध्ययनसे प्राप्त किया जा सकता है । मोक्ष प्राप्ति से जीवन में ब्रह्म परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है ।90त्न लोग स्वार्थी हैं। बाकी बचे 10त्न में 9त्न ऐसे हैं ,जो अगर आपका कोई फायदा नहीं करेंगे तो बस नुकसान भी नहीं करेंगे।अच्छा कैरियर और धन बहुत मायने रखता है।धोखा कोई भी दे सकता है, ये सदैव याद रखना चाहिए। अधिकतर वही देते हैं जिनसे आपको बिलकुल उम्मीद नहीं होती।हर संबंध जरूरत की डोर से बंधा है।बुरे समय में अपना ज्ञान और समझदारी ही काम आती है। बहकाने वाले और उलझाने वाले बहुत हैं किंतु आगे बढ़कर मदद करने वाले बेहद कम। बड़े अफ़सोस की बात है कि मनुष्य इतनी सी समझ नहीं रख रहा है कि ग़लत काम का नतीजा ग़लत ही होता है। हो सकता हो सकते राह पर चलने से आपको कुछ समय की बदनामी मिल भी जाए पर आजीवन आप सुखी रहेंगे। आख़िर मनुष्य सत्य सुनने से घबराता क्यों है। अक्सर देखा गया है कि मनुष्य झूठ की ज़िंदगी जी रहे हैं और अपने आप को धोखा देकर दुनिया को झूठा दिखाना चाह रहे हैं। समय हैं समाज की। ज़रूरत है बदलाव की। अगर किसी से कोई ग़लत काम हो जाता है तो उसे स्वीकारना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि यह ग़लत कार्य वह दोबारा कभी नहीं करेगा। पर बेवकूफ़ मनुष्य गलतियां करता है पर स्वीकारता नहीं है और झूठ की ज़िंदगी जीता है पता नहीं क्यों सत्य यह जो अटल सकते हैं यही मनुष्य के जीवन में दुनिया का सबसे कड़वी चीज बनकर रह गयी है।जो व्यक्ति सत्य का सामना करने से डरता है, भले ही वह उसे किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया गया हो जो उसकी बहुत परवाह करता हो, जाहिर है कि उसके पास बहुत सी विश्वास प्रणालियाँ और परिभाषाएँ हैं जो उसके काम नहीं आ रही हैं। जिस लेंस के माध्यम से वे अपनी वास्तविकता को आगे बढ़ा रहे हैं, वह दागदार है और डर से रंगा हुआ है। जो व्यक्ति सत्य का सामना करने से डरता है, उसे खुद से पूछना चाहिए कि उस सत्य के बारे में ऐसा क्या है जिससे वह डरता है।

ऊषा शुक्ला
इफ़को आँवला बरेली यूपी

'घूमर' गरबा महोत्सव में गरबा प्रेमियों की भागीदारी तोड़ रही रिकॉर्ड

इंदौर. सुदामा नगर स्थित अन्नपूर्णा मैदान से छोटे स्वरूप में शुरु हुआ घूमर गरबा महोत्सव का इस साल 11 वां वर्ष है। यह महोत्सव पहले से ही अपनी भव्यता और उत्साह के लिए जाना जाता है, और इस वर्ष लोगों की भागीदारी और उत्साह पिछले सालों से कहीं अधिक है। लालबाग परिसर में आयोजित इस नौ दिवसीय महोत्सव का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष व आयोजक सौगात मिश्रा के नेतृत्व में किया जा रहा है। इंदौर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इस महोत्सव में भाग ले रहे हैं और गरबा की धुनों पर खूब नृत्य कर रहे हैं। घूमर गरबा महोत्सव ने 11 वर्षों के इतिहास में इस गरबे ने इंदौर के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया है, और आसपास के क्षेत्रों में भी एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन के रूप में उभरा है। मां की पूजा-अर्चना से हुई महोत्सव की शुरुआत

आयोजक सौगात मिश्रा ने बताया कि इस महोत्सव की शुरुआत में लगभग 300-400 लोग भाग लेते थे, लेकिन अब यह संख्या हजारों में पहुंच गई है। नवरात्रि के छठे दिन इस महोत्सव ने भागीदारी के अपने ही रिकॉर्ड तोड़े। लालबाग परिसर में आयोजित इस महोत्सव की शुरुआत रोज की तरह मां जगदंबा की पूजा अर्चना के साथ शाम 08:30 बजे से हुई और देर रात तक गरबे हुए।

गरबा लुक..... वीरा चौहान

निमाड़ी गम्मत देखने उमड़ी भीड़

पीथमपुर। नगर की जयनगर कॉलोनी मे मांगीलाल पथरिया के नेत्तव में निमाड़ी गम्मत का मुकाबला हुआ। जिसमें हजारों लोग देर रात तक डटे रहे। मुकाबला जामनिया और केदार खेड़ी के बीच देर रात तक चला।। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र पटेल,, मोहन लोधी, संजय शर्मा आदि अतिथियों का स्वागत फूलमाला व दुपट्टा पहनाकर किया गया। आयोजक मांगीलाल पथरिया ने बतलाया आयोजन गायत्री मित्र मंडल द्वारा विगत 20 वर्षों से किया जा रहा है। निमाड़ी गम्मत में कलाकारों के हंसी मजाक कर दोनों पार्टियों द्वारा आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। मुकाबला इतना रोचक था कि फैसला ड्रॉ द्वारा लिया गया। जिसमें जमानिया की टीम को विजय घोषित किया गया। आयोजकों द्वारा कलाकारों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कॉलोनी के वरिष्ठों का साल श्रीफल से सम्मान किया गया।

पुलिस का मैं हूं अभिमन्यु अभियान

बच्चो के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के बताए उपाय

इंदौर. सागौर पुलिस ने बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ घटित होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष जागरूकता अभियान मैं हूं अभिमन्यु चलाया जा रहा है। मंगलवार को सागौर पुलिस ने एक निजी स्कूल पर मैं हूं अभिमन्यु के तहत लोगों को महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम के लिए हेल्पलाइन नंबर की जानकारी देते हुए जागरूक किया। बच्चो से आव्हान किया गया कि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध को रोकने में पुरुष वर्ग अभिमन्यु की भूमिका का निर्वाह करें। थाना प्रभारी प्रशांत पाल और प्रधान आरक्षक प्रीति जैन ने उपस्थित बच्चो को बताया कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध और समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, संवेदनशीलता, अशिक्षा, लिंगभेद के चक्रव्यूह को तोड़ने में प्रत्येक पुरुष को अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर लोगों को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 बताए गए । इस नंबर की सहायता से महिलाओं की आपात स्थिति में सहायता की जा सकेगी।

पेंशनर्स सावधान! व्हाट्सएप पर चल रही एक धोखाधड़ी के बारे में दी चेतावनी

नई दिल्ली पेंशनर्स को हर साल उस वित्तीय संस्थान में जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है जहां से उसे पेंशन मिलती है। इस बीच केंद्र सरकार ने पेंशनर्स को एक अलर्ट जारी कर व्हाट्सएप पर चल रही एक धोखाधड़ी के बारे में चेतावनी जारी की है। जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की डेट करीब आने के साथ ही धोखेबाज भी सक्रिय हो गए हैं। वे पॉपुलर मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप के जरिए पेंशनर्स को निशाना बना रहे हैं। पेंशनर्स को व्हाट्सएप पर मैसेज मिलता है। इनमें दावा किया जाता है कि पुराने जीवन प्रमाण पत्र के कारण उनकी पेंशन खतरे में है। इसमें एक लिंक दिया जाता है और पेंशनर्स से कहा जाता है कि वे इस पर अपने बैंक खाते का विवरण या पीपीओ नंबर अपडेट करें। पेंशनर्स की व्यक्तिगत जानकारी मिलने के बाद स्कैमर्स इसका गलत यूज कर सकते हैं। वे पेंशनर्स के अकाउंट में सेंध लगा सकते हैं। सरकार इस बात पर जोर देती है कि जीवन प्रमाण पत्र के बारे में कभी भी व्हाट्सएप या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए जानकारी नहीं मांगी जाती है। जीवन प्रमाण पत्र एक अनिवार्य दस्तावेज है। पेंशनर्स को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए इसे जमा कराना जरूरी होता है। घोटालेबाज पेंशनर्स को फर्जी संदेश भेजकर इसका फायदा उठा रहे हैं। इसमें वे पेंशनर्स को एक लिंक भेजकर दावा कर रहे हैं कि अगर इस पर जीवन प्रमाण पत्र अपडेट नहीं किया तो पेंशन रोक दी जाएगी। सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि पेंशनर्स को मैसेज भेजकर व्यक्तिगत जानकारी मांगी जा रही है। इससे सावधान रहने की जरूरत है। पेंशनर्स को सोशल मीडिया पर आए किसी भी लिंक पर संदिग्ध क्लिक नहीं करना चाहिए या अटैचमेंट डाउनलोड न करें। कभी भी व्हाट्सएप के माध्यम से बैंक खाते का विवरण या पीपीओ नंबर जैसी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। जीवन प्रमाण के बारे में किसी भी जानकारी के लिए अपने बैंक या आधिकारिक सीपीएओ वेबसाइट से संपर्क करें।

कनकेश्वरी गरबा मंडल द्वारा आकर्षक गरबों की प्रस्तुति दी जा रही है

बगैर अनुमति विज्ञापन के पैम्फलेट लगाने वाले पर निगम की जुर्माना कार्रवाई

इन्दौर संस्था युवाम ग्रुप द्वारा लोन देने के प्रचार हेतु निगम अनुमति के बगैर अनाधिकृत रूप से विज्ञापन के पोस्टर लगवाने पर निगम द्वारा संस्था पर जुर्माना कार्रवाई की गई। मामले में बताया जा रहा है कि आयकर भवन के समीप शिवाजी वाटिका चौराहा जो कि इन्दौर नगर निगम जोन क्रमांक 11 के अंतर्गत आता है वहीं पर युवाम ग्रुप द्वारा लोन देने का प्रचार करने के लिए नगर निगम से अनुमति लिए बगैर अवैध रूप से पैम्फलेट चिपकाए गए थे। संस्था का यह कृत्य मध्यप्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम 2017 के नियमों/प्रावधानों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इसके चलते निगम जोन क्रमांक 11 के सहायक राजस्व अधिकारी द्वारा युवाम ग्रुप 402 नवनीत प्लाजा पर विभिन्न स्थानों पर अनाधिकृत रूप से व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक प्रदर्शन के लिए पम्पलेट चस्पा किए जाने पर 10 हजार रुपए का जुर्माना किया गया।

गुजरात व राजस्थानी सॉंग पर गूंज रही डांडिया की खनक

पीथमपुर। शहर में नवरात्र के अंतिम दिनों गरबों की धूम परवान पर है। शहर में युवक-युवतियां डांडिया की खनक पर नृत्य करते है। शहर के अनकों जगह पर गरबा नृत्य करवाए जा रहे हैं। डीजे पर गुजराती और मिक्स गानों की धुन पर बच्चे, युवा महिलाएं गरबा नृत्य करते नजर आए।

शहर के उमंग डांडिया में गरबों का आयोजन किया जा रहा है।

मंगलवार गरबा नृत्य परवान पर रहा। शाम होते ही बच्चे, युवक-युवतियां रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर सज धज कर पांडाल पहुंच रही है। नवरात्रा महोत्सव के चलते घरों एवं मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है।

जगदंबा महामाही समिति द्वारा माताजी की स्थापना

इंदौर-(प्रेमनारायण वेद) महूनाका,आर.टी.ओ.रोड़ पर जगदंबा महामाही समिति द्वारा पिछले कई सालो से माताजी की स्थापना की जाती रही है। इस बार माँ जगदंबा माताजी की विशाल मूर्ति भव्य आकर्षक पंडाल मे ÷लालबाग की महारानी÷ के बाल स्वरूप में स्थापना गयी। माताजी के दर्शन के व आरती का लाभ बड़ी संख्या मे श्रद्धालुओं ले रहे है। समिति के पारस भाई खरे बताया कि शारदीय नवरात्रि मे नौ दिनों तक बड़े श्रद्धाभाव से सुबह-शाम माताजी की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया जाता है।

छावनी 2 न. स्कूल ग्राउंड पर थ्री डी इमेज को लेकर दशानन बनाया

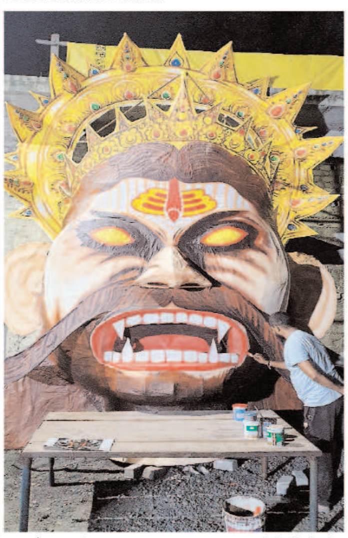

इंदौर। छावनी 2 न. स्कूल ग्राउंड पर 32 वा वर्ष मे थ्री डी इमेज को लेकर दशानन बनाया गया हे जिसमे मुख्य चेहरा छोड बाकी नौ चेहरे कंकाल मे दर्शाये गये हे 111 फ़ीट के रावण के साथ मेघनाथ और कुंभकरण बनाये दोनो ही 35,35 फ़ीट के बनाये गये हे 80 फ़ीट की लंका भी बनाई गई हे जूनियर शाहरुख,काजोल डुप्लीकेट के साथ ही अभिनेता दिल धदक्ता हे बार बार के अर्पित नागर भी सिरकत करेंगे इंदौरी 56 भजन गायक मंहाकाल लोक भी अपने भजनो की प्रस्तुती देंगे भव्य आतिशबाजी भी की जायेगी जो शिवाकाशी से बुलाये हे आतिशबाजी के बाद उसमे से नामो का उच्चारण भी आसमान मे दिखेगा आयोजक चौधरी दीनू बोयत कप्तान एंव बोयात श्री मित्र मंडल द्वारा 32 वा वर्ष है।

सेवा सप्ताह के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

इन्दौर। स्थानीय सिंधी कालोनी में सेवा सप्ताह के अंतर्गत लायंस क्लब आफ इंटरनेशनल द्वारा लायंस क्लब इंदौर यूनिक के तत्वावधान में मधुमेह एवं कार्डियक केयर, ईसीजी, ब्लड प्रेशर सहित अन्य जांचों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अनिल खंडेलवाल, हेमंत डोसी, पूर्व पार्षद जवाहर मंगवानी द्वारा किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि योग के माध्यम से मधुमेह को नियंत्रित किया जा सकता है। इस दौरान संतोष गोयल, संजय लोहिया, प्रदीप कावरा, चंद्रकुमार चौहान आदि मौजूद रहे। शिविर में 125 व्यक्तियों ने मधुमेह एवं ब्लड परीक्षण करवाया।

आयकर अधिनियम 1961 व नियमावली 1962 आसान सुविधाजनक बनाने कवायद शुरू

इंदौर (किशन सनमुखदास भावनानीं) भारत के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 60 वर्ष से ऊपर के पुराने आयकर अधिनियम 1961 व आयकर नियमावाली 1962 की समीक्षा करने, उसे जनता, हितधारकों व विशेषज्ञों के अनुसार आसान बनाया जा सके, जिससे मुकदमे बाजी में कमी की जीरो टॉलरेंस नीति पर पहुंचा जा सके, इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सीबीडीटी अध्यक्ष ने इसके लिए आम जनता से सुझाव मांगे हैं कि इन अधिनियमों व नियमों में क्या बदलाव किया जाए

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 6 दशक पुराने आईटी अधिनियम की व्यापक समीक्षा के लिए आम जनता से सुझाव व प्रतिक्रियाएं देने की अपील

किसे निरस्त किया जाए या कौनसी धाराएं जोड़ी जाए ताकि पूरा अधिनियम व विनियम की समीक्षा कर उसमें उपयुक्त संशोधन कर आमजनता की सुविधा के हिसाब से यह कानून, नियम विनियम बनाए जा सकें। बजट 2024 में माननीय वित्तमंत्री ने आयकर अधिनियम 1961 व आयकर विनियम 1962 की समीक्षा कर संशोधनों की बात कही थी इसी को क्रियान्वयन करने करने के लिए सीबीडीटी ने विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में विशेषज्ञआयकर अधिकारियों की एक कमेटी बनाई है जो अपनी रिपोर्ट देगी, इसके लिए आम जनता विशेषज्ञों वह हितधारकों से सुझावों को आमंत्रित किया गया है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा 6 अक्टूबर 2024 से सुझाव ई पोर्टल पर आमंत्रित करने की करें तो, इनकम टैक्स विभाग ने 4 कैटेगरी भाषा के सरलीकरण, टैक्स विवाद कमी अनुपालन में कमी और अप्रचलित प्रावधानों से जुड़े मामलों में सुझाव मांगा है।वेब पोर्टल पर विजिट करके कोई भी करदाता अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए लॉगइन करके अपना सुझाव भेज सकता है। ध्यान दें कि यह सुझावइनकम टैक्स एक्ट 1961 या 1962 (विशिष्ट धारा, उपधारा, खंड, नियम, उपनियम या फॉर्म संख्या का उल्लेख करते हुए) से जुड़े होने चाहिए, जैसा भी मामला हो, जिससे सुझाव उपर्युक्त चार श्रेणियों के अंतर्गत संबंधित है वित्तमंत्री ने केंद्र में नई सरकार बनने के बाद जुलाई महीने में पूर्ण केंद्रीय बजट2024 पेश किया था,इस दौरान उन्होंने कहा था कि

अगले 6 महीने के भीतर आईटी नियमों की व्यापक समीक्षा पूरी कर ली जाएगी, ऐसे में 6 महीने की यह टाइमलाइन जनवरी 2025 में पूरी होगी, ऐसे में यह इस बात का व्यापक अनुमान है कि आयकर नियमों में बदलाव को बजट सत्र के दौरान संसद में पेश किया जा सकता है।

सीबीडीटी ने आयकर अधिनियम 1961 की समीक्षा के लिए आंतरिक समिति गठित की है। वित्ते मंत्रालय ने कहा कि इस समिति का उद्देश्य अधिनियम को सरल, स्पष्ट और संक्षिप्तन बनाना है। इससे विवाद और कानूनी मामले कम होंगे तथा करदाताओं को अधिक निश्चितता मिलेगी। मंत्रालय ने सभी पक्षकारों, विशेषज्ञों और आम जनता से आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल पर सुझाव मांगे हैं।

भाषा सरलीकरण कानूनी विवादोंमें कमी,अनुपालन और अनावश्याक प्रावधान हटाने संबंधी चार श्रेणियों में सुझाव मांगे गए हैं। आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसा?इट पर ई-फाइलिंग पोर्टल पर सुझाव भेजे जा सकते हैं।इनकम टैक्सि ऐसा कानून है,जिसके तहत आते तो 6 से 7 करोड़ लोग ही हैं, लेकिन इसका असर देश की पूरी जनता पर पड़ता है। सरकार ने इस कानून में बड़े बदलाव की बात कही है और 60 साल पुराने इनकम टैक्सो कानून के कुछ पन्नी आने वाले समय में इतिहास बन जाएंगे। इनकम टैक्सध कानून में अभी 298 सेक्शरन, 14 अनुसूचियां और 23 चैप्टकर हैं। इसके तहत कई ऐसे नियम हैं जो इनकम टैक्सै कानून की व्यासख्याए करते हैं 6 महीने के भीतर इनकम टैक्सच कानून में बदलाव की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। इस लिहाज से देखें तो,2025 में इसकी डेडलाइन है।

देर आए दुरुस्त आए- अब ट्रेनों में लगेंगे 4-4 जनरल कोच

इन्दौर। रेलवे ने आम यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। दिसंबर 2024 से सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में चार-चार जनरल कोच लगाए जाएंगे, जिससे जनरल डिब्बों में सफर करने वाले यात्रियों को धक्का-मुक्की या लटककर यात्रा करने की परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

भारतीय रेलवे का यह फैसला लाखों यात्रियों को राहत प्रदान करेगा, जो अब सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक

पहुंच सकेंगे। रेल मंत्रालय के अनुसार, इस नई योजना के तहत सभी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में कुल 1300 नए जनरल कोचों की आवश्यकता होगी। इन कोचों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, और अब तक 120 ट्रेनों में चार-चार जनरल कोच लगाए जा चुके हैं। रेलवे ने मार्च 2024 तक कुल 2000 जनरल कोचों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है, जिनमें से 1300 कोच नई ट्रेनों में जोड़े जाएंगे और बचे हुए 700 कोच पुराने कोचों की जगह लेंगे। इस योजना के लागू होने के बाद जनरल कोचों में धक्का-मुक्की की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। इसके अलावा, मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में अधिक जनरल कोचों की उपलब्धता से यात्रियों को सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव होगा। बता दें कि भारत में लगभग 10 हजार से अधिक ट्रेनें चलती हैं, जिनमें वंदेभारत, शताब्दी, राजधानी, मेल एक्सप्रेस, पैसेंजर, लोकल, ईएमयू और डीएमयू ट्रेनें शामिल हैं। इनमें से 822 मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में चार-चार जनरल कोच लगाए जाएंगे।

वर्तमान में मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में जनरल कोचों की संख्या निश्चित नहीं थी, जिससे यात्रियों को ट्रेनों में भीड़भाड़ और असुविधा का सामना करना पड़ता था।

गरबे के साथ शक्ति शिविर में कराते और दंड प्रशिक्षण

इन्दौर। पुण्याति वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा नवरात्र के अवसर पर आयोजित शक्ति शिविर में गरबे के साथ कराते और दंड प्रशिक्षण देकर युवतियों को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई गई। मालवा ग्रुप आफ इंस्टिट्यूट्स में हुए इस शिविर में युवतियों ने लाठी और दंड चलाने की कला के साथ ही आत्मरक्षा के गुर भी सीखे।

शिविर में युवतियों ने गरबा खेलते हुए अपनी शक्ति का एहसास कराया और संकल्प लिया कि वे अपनी सुरक्षा स्वयं करेंगी। शिविर का संचालन डा. माला सिंह ठाकुर और उनकी प्रशिक्षक टीम ने किया। इस मौके पर कालेज प्राचार्य डा. संगीता भरुका ने भी छात्राओं को सुरक्षा के टिप्स दिए।

यादगारे शहीदे आज़म कमेटी ने प्रदेश अध्यक्ष बनने पर इस्माइल खान का स्वागत किया

इंदौर। ऑल इंडिया गद्दी समाज सेंट्रल कमेटी में इस्माइल खान को मध्यप्रदेश राज्य का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने। जगह जगह उनका स्वागत हो रहा है। इंतेजामिया यादगारे शहीदे आज़म कमेटी के बेनर तले समाजजनों ने ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष इस्माइल खान को फूल माला पहना कर उनका सम्मान किया और मिठाईयां बांटी। अध्यक्ष रेहान शेख का भी स्वागत किया गया। स्वागय इंतेजामिया यादगारे शहीदे आज़म कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़ नियाज़ी, संस्था सोच के अध्यक्ष महफूज पठान, साजिद गुड्डू, राजिक बाबा, शाहनवाज खान, असद खान, असलम खान आदि ने इस्माइल खान का स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष इस्माइल खान ने कहा गरीब कल्याण व समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए प्राथमिकता से कार्य करेंगे।

बनेड़िया तालाब में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

देपालपुर। समीपवर्ती ग्राम बनेड़िया में स्थित प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े तालाब में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक अंकित (28), पिता नंदकिशोर, देवास जिले के निवासी थे और देपालपुर क्षेत्र में विशाल चौहान के यहां काम कर रहे थे।

घटना का विवरण- बुधवार सुबह अंकित बनेडिया तालाब में नहाने के लिए गए थे। नहाते वक्त वह अनजाने में गहरे पानी में चले गए, जिससे वह नियंत्रण खो बैठे और डूब गए।

तालाब की गहराई और पानी की तेज धार का अनुमान न लग पाने के कारण अंकित पानी से बाहर नहीं आ सके। पुलिस की

कार्रवाई- सूचना मिलने पर देपालपुर पुलिस मौके पर पहुंची। सहायक थानेदार सुरेश परमार ने बताया कि घटना स्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया।

अंकित का शव बरामद कर लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

तालाब की सुरक्षा पर सवाल- इस हादसे के बाद बनेडिया तालाब की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। तालाब क्षेत्र में कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। स्थानीय प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि इस हादसे के बाद तालाब में सुरक्षा के ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

एयरटेल ने स्पैम कॉल और एसएमएस को हमेशा के लिए कहा अलविदा

इंदौर।! भारती एयरटेल ने अपनी एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सिस्टम के जरिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपने ग्राहकों को बड़ी राहत प्रदान की है। इस अत्याधुनिक तकनीक लॉन्च के पहले 12 दिनों में ही, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर ने अपनी इस नई सेवा से दोनों राज्यों में 5 करोड़ 70 लाख संभावित स्पैम कॉल और 13 लाख स्पैम एसएमएस की पहचान करने में सफलता हासिल की है।

यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त है और अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी एयरटेल के ग्राहकों के लिए इसे अपने आप एक्टिवेट कर दिया गया है। इसके लिए उन्हें न तो कोई अनुरोध करना पड़ा और न ही कोई एप

डाउनलोड करने की जरूरत पड़ी द्य

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, भारती एयरटेल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रितेश अग्रवाल ने कहा, ÷आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में, हमारे ग्राहक घोटालों और दुर्भावनापूर्ण संदेशों के खतरे का सामना कर रहे हैं, इसके चलते अधिकतर ग्राहक असुरक्षित और इन खतरों से बचाव के तरीकों को लेकर चिंतित रहते हैं। आज, एयरटेल अपने अनूठे एआई-संचालित सुविधा की शुरुआत करने के साथ इस गंभीर समस्या का सामना करने के लिए तैयार है।

इस सुरक्षा तंत्र में दो स्तर हैं ङ्क एक नेटवर्क पर और दूसरा आईटी सिस्टम पर। हर एसएमएस या कॉल इस दोहरी सुरक्षा से गुजरती है। यह सॉफ्टवेयर सिर्फ दो मिलीसेकंड में 150 करोड़ मैसेजेज और 250 करोड़ कॉल को प्रोसेस करता है, जो असल में एआई की क्षमता से 1 लाख करोड़ रिकॉर्ड्स को रियल टाइम में प्रोसेस करने के बराबर है।

24 साल पहले 4000 रूपए की धोखाधड़ी करने से पहले ही पकड़ाए आरोपी को, 2 साल की सजा 3000 रूपए जुर्माना

इन्दौर। जेएमएफसी मोहितकुमार रघुवंशी की कोर्ट ने चेक से फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को दोषी करार देते दो वर्ष के सश्रम कारावास व तीन हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। घटना 6 अप्रैल 2000 की है। प्रकरण कहानी संक्षेप में इस प्रकार है कि बाणगंगा थाना क्षेत्र स्थित स्टेट बैंक आफ इंदौर की औद्योगिक क्षेत्र शाखा में आरोपी जमनालाल निवासी शिवशक्ति नगर ने 4150 रुपए का चेक भुगतान के लिए पेश किया।

यह चेक अब्दुल वहाब के नाम पर देय था। चेक के पीछे अब्दुल के नाम से ही हस्ताक्षर थे। शाखा के कर्मचारी ने संदेह होने पर छानबीन की तो पता चला कि मूल रूप से यह चेक मात्र डेढ़ सौ रुपए का था, जो प्रधानमंत्री रोजगार योजना की ट्रेनिंग लेने के एवज में जिला उद्योग केंद्र द्वारा किसी अब्दुल वहाब को जारी किया गया था। 24 साल पहले उस 150 रूपए के चेक को 4150 का बना उसके जरिए 4000 की धोखाधड़ी होने से पहले ही पकडाई में आ गई थी जिसमें अब आरोपी को 2 साल की सजा तथा 3000 रूपए जुर्माने की सजा सुनाई गई।

संग्राम घांटे पर रेत से भरे ट्राले ने 4 गायों को कुचला, मौत

भानपुरा (मन्दसौर) । बुधवार 9 अक्टूबर की सुबह करीब 8.30 बजे भानपुरा गांधी सागर मार्ग पर स्थित संग्राम घांट के मोड पर रेत से भरे ट्राला के वाहन चालक द्वारा लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाते हुए चार गायों को कुचल दिया घटनास्थल पर चारों गायों की तथा यहां तक की नवजात भ्रूण की भी घटनास्थल पर गाय के गर्भ से निकालकर सडक़ पर तड़पते हुए मौंत हो गई। पुलिस थाना भानपुरा ने आरोपी ट्राला चालक को गिरफ्तार कर वाहन को जप्त कर लिया परंतु पुलिस भानपुरा वाहन चालक का नाम उजागर करने से बचती रही। हेड कांस्टेबल ममशाद बैग ने बताया कि प्रकरण भारतीय न्याय संहिता की धारा 281,325 व 181 में फरियादी सोनू सिंह चंद्रावत निवासी रलायता की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया।गायों को देवसेना भानपुरा एवं नगर परिषद द्वारा दफनाया गया।

नवदुर्गा स्वरूप बालिकाओं का पूजन अर्चन किया

शामगढ़ (मन्दसौर) । नवरात्रि में मां भगवती के नौ रूपों की आराधना की जाती है इसी नियम से सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर शामगढ़ में बालिकाओं का पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष राम चौहान,अभिभावक नवीन वेद प्रधानाचार्य गोपाल डीगा मंचासीन रहें । अमृत जैन विवेकानंद शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष आशीष मुजावदिया समिति सदस्य प्राचार्य प्रवीण पुरोहित कार्यक्रम में उपस्थित रहें । अतिथि परिचय मंजू रावल दीदी ने कराया । स्वागत सुनीता शर्मा दीदी व वंदना कुंवर चन्द्रावत दीदी ने किया । कार्यक्रम का संचालन विष्णु कुंवर दीदी ने किया तथा आभार रोहित माली ने माना । उक्त जानकारी प्रचार प्रसार प्रमुख पीरुसिंह पड़िहार द्वारा दी गई ।

चौहान का राज्य स्तरीय क्रिकेट टीम के लिए चयन हुआ

सीतामऊ (मन्दसौर) । मंदसौर 14 वर्षीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में संभाग स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन मंदसौर में किया गया था । जिसमें संभाग की सभी टीमों ने भाग लिया था। अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन कर खिलाडय़िों ने राज्य स्तरीय चयन के लिए टीम में अपनी जगह बनाई ।श्री जे.के. पब्लिक स्कूल के लक्ष्यराज सिंह चौहान का भी राज्य स्तरीय के लिए हुआ । चयन राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शहडोल में किया जाएगा। जिसमें उज्जैन संभाग से 16 खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें मंदसौर जिले के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे ।

नगर परिषद में नशामुक्त शपथ ली

भानपुरा (मन्दसौर) । शामगढ़ मद्य निषेध सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर के अंतर्गत नशे से दूरी बनाए रखने एवम समाज को नशामुक्त बनाए जाने हेतु नगर परिषद में गायत्री परिवार व नगर परिषद के द्वारा शपथ ली गई। अध्यक्ष श्रीमती कविता नरेंद्र यादव,सीएमओ सुरेश यादव व गायत्री परिवार के द्वारा ही सफाई मित्रो का सम्मान किया गया ।

विधिक मोबाइल वैन को न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार-प्रसार हेतु किया रवाना

चौमहला । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण, झालावाड़ के निर्देश एवं आदेशानुसार अध्यक्ष ताल्लुक़ा विधिक सेवा समिति चौमहला न्यायाधीश राजपाल मीना(अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) द्वारा मोबाइल वेन को हरी झंडी दिखाकर गाँवो में विधिक जागरूकता एवं विधिक प्रचार- प्रसार करने हेतु रवाना किया। अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजपाल मीना के निर्देशानुसार मोबाइल वेन चौमहला न्यायक्षेत्र में स्थानीय सार्वजनिक स्थल समेत कई ग्रामीण इलाक़ों जिसमें तलावली, रायपुरिया,बामनदेवरिया,उन्हेल आदि गांवों में पहुँची। जहां ग्राम वासियों को विस्तारपूर्वक विधिक जागरूक योजनाओं के बारे में बताया। ग्रामीणों को कुप्रथा बाल विवाह उसके दुष्परिणाम एवं प्रावधानिक दण्ड , बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006, जल संरक्षण, पॉलीथिन केरी बैग का इस्तेमाल रोकने, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, बालश्रम निषैध, मध्यस्थता, स्थायी लोक अदालत, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14.12.2024, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, निशुल्क विधिक सहायता एवं नालसा नई दिल्ली की विभिन्न योजनाओं के बारे में क़ानूनी जानकारी दी गयी। साथ ही प्रचार सामग्री का वितरण किया गया। साथ में ताल्लुका सचिव चेतन मोरी, पीएलवी संजय राठौर एवं वाहन चालक जगदीश प्रसाद बार संघ अधिवक्तागण भी उपस्थित रहे।

विजयादशमी पर्व पर कॉलेज मैदान में आयोजित होगा दशहरा उत्सव

मंदसौर।

दशपुर सांस्कृतिक उत्सव समिति के तत्वावधान में आगामी 12 अक्टूबर विजयादशमी पर्व पर कॉलेज मैदान में भव्य दशहरा उत्सव आयोजित किया जा रहा है।

जिसकी पूर्व तैयारी का वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने आयोजन समिति के साथ अवलोकन और स्थल निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग और जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद प्रशासनिक अमले के साथ बुधवार को कॉलेज ग्राउंड पहुंचे और आयोजन समिति के पदाधिकारी से दशहरा उत्सव के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और नगर में सर्वाधिक भव्य उत्सव जिसमें लगभग 50 हजार लोग एकत्र होते हैं इस दौरान समुचित व्यवस्थाएं निर्धारित रहे इस बात पर विचार

विमर्श किया गया दशपुर सांस्कृतिक उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप सिंह सिसोदिया ने अवगत कराया कि कॉलेज ग्राउंड में 75 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा साथ ही 41-41 फीट ऊंचे मेघनाथ और कुंभकरण के भी पुतले जलाए जाएंगे इसके पूर्व आतिशबाजी के भी नजारे पेश होंगे। हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा और मन्दसौर बनाएगा ऐतिहासिक रिकार्ड। बच्चों व युवाओं से हनुमान बनकर आने का भी आह्वान किया गया है। एडीएम एकता जायसवाल, एडिशनल एसपी गौतम सिंह सोलंकी, एसडीएम शिवलाल शाक्य, सीएसपी सतनाम सिंह, लोकनिर्माण विभाग के मुख्य कार्य पालन अधिकारी आदित्य सोनी सीएमओ नपा सुधीर कुमार सिंह,विद्युत मंडल के शहर अभियंता पीयूष पंवार तहसीलदार रमेश मासरे वाय डी नगर थाना टीआई संदीप मौर्य, शहर थाना कोतवाली भूपेंद्र सिंह राठौड़, यातायात निरीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान,आदि भी उपस्थित थे ।

कन्या पूजन एवं कन्या भोज संपन्न हुआ

मन्दसौर । बेटी बचाओ के संकल्प के साथ भागवत नगर मंदसौर में कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं उनके परिवार द्वारा किया गया । आयोजन में बड़ी संख्या में भागवत नगर सहित आस पास के क्षेत्र की कन्याएं शामिल हुई । यह आयोजन भागवत नगर गरबा पंडाल में आयोजित किया गया । सर्व प्रथम तोमर परिवार के सदस्यों डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर,बबीता सिंह तोमर, जितेन्द्र सिंह तोमर, डॉली तोमर के साथ श्रीमती सोनाली जैन,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष इष्टा भाचावत,महिला कांग्रेस नगर अध्यक्ष अनीता भदौरिया,सामाजिक कार्यकर्ता महेश दुबे,शहर कांग्रेस मंडलम अध्यक्षगण नितेश सतिदासानी, शुभम कामराज,विश्वनाथ सोनी,रमेश बृजवानी,जिला कांग्रेस महामंत्री सुनील शर्मा,कांग्रेस नेता भेरूलाल कुमावत ने कन्या पूजन कर कन्याओं से आशीर्वाद लिया । इस अवसर पर विनोद सोनी, यशोदा पंवार,प्रभा कुमावत,गायत्री सोनी आदि ने भी कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया ।

प्रायवेट स्कूलों में अटैच खटारा वाहन, बच्चों को लेकर दौड़ रहे सडक़ों पर

सीतामऊ (कांजी भाई)।

निजी स्कूलों में नन्हे मुन्ने बच्चों को निजी प्राइवेट वाहनों को स्कूलों में अटैच कर रखा है कोई निजी स्कूलों के वाहनों का तो फिटनेस एवं बीमा भी कंप्लीट नहीं है और ना ही फिर भी विभागीय लापरवाही के चलते हुए नगर की सडक़ों पर प्राइवेट वाहन अनियंत्रित गति से स्कूल के बच्चों को लेकर दौड़ रहे हैं । जहां किसी को कोई कहने और सुनने वाला नहीं है । जिस दिन कोई घटना दुर्घटना होती है तब प्रशासन जाग जाता है । वहीं विभाग की कार्रवाई शुरू हो जाती है किंतु अगर यह कार्रवाई समय से पूर्व कर दी जाती होती तो हो सकता है कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है ।

सीतामऊ नगर में कई निजी वाहन निजी स्कूलों द्वारा बच्चों को लाने ले जाने के लिए अधिकृत किए गए हैं । जिनकी कंडीशन देखी जाए तो वह रोड पर चलने लायक भी नहीं होती है । जिनके बीमा और फिटनेस का तो भगवान ही मालिक होता है किंतु यहां निजी स्कूलों में सब कुछ संभव है । सीतामऊ ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से भी इस बारे में बात की गई किंतु आज दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की गई वहीं जिला शिक्षा के श्री डाबी से भी दूरभाष पर इस बारे में बात की गई । किंतु उन्होंने भी स्कूल संचालक एवं आरटीओ विभाग पर डालते हुए बात को टालमटोल कर दी किंतु कार्रवाई करने को कोई भी जवाबदार व्यक्ति अपनी जवाबदारी स्वीकार करने को तैयार नहीं है ।

अयोध्या बस्ती में एड्स जागरूकता रैली निकालकर लोगों किया जागरूक

मंदसौर। एच.आई.वी. सघन जागरूकता अभियान के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एच.आई.वी. एड्स जागरूकता विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ एवं रैली निकाली गई। एच.आई.वी./एड्स सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री राजेश जी रजक (क्लिनिकल सर्विस ऑफिसर, जिला एड्स रोकथाम नियंत्रण इकाई, सीएमएचओ ऑफिस मंदसौर) ने कहा कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है। किंतु चिकित्सकीय परामर्श एवं उचित दवाई के साथ एड्स पीड़ित व्यक्ति भी एक अच्छा जीवन जी सकता है। एड्स की जानकारी के लिए नाकों की हेल्पलाइन न. 1097 डायल कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही यौन रोग एवं क्षय रोग के विषय में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी। जिला संगठक, रासेयो डॉ. के. आर. सूर्यवंशी ने कहा कि रेड रिबन क्लब क्लब इकाई जिला चिकित्सालय मंदसौर के सहयोग से एड्स जागरूकता पर नुक्कड़, नाटक, व्याख्यान, जागरूकता रैली इत्यादि आयोजित करती रहती है, जिससे लोगों को इस लाइलाज बीमारी से बचाया जा सके।

एडस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

मंदसौर।

शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में एडस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार द्वारा उद्बोधन में आपने एडस जागरूकता के अंतर्गत एडस फैलेने के कारणों से संबंधित सारी बातें बताई, इनसे बचने के एवं इसके बारे में जागरूक होने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आपने बताया कि कैसे आज का युवा इसकी चपेट में आ रहा है। हमें अपने संस्कारों और पूर्वजों की सीख पर डटे रहने की जरूरत हैं। विश्व में 2023 के अंत तक 39.9 मिलियन

लोग एचआईवी से ग्रसित है, जिनमें से 1.4 मिलियन बच्चे है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.रायजादा ने अतिथि स्वागत करते हुए सभा को संबोधित कर कहा कि प्रत्येक वर्ष 01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। एड्स एक ऐसी बीमारी है जो एचआईवी वायरस के संक्रमण के बाद होती है। एचआईवी संक्रमण के बाद मानवीय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। वर्तमान में युवाओं में अपने शरीर पर टैटू बनाने का फैशन प्रचलन में है जिसके जरिये भी यह बीमारी फैल रही है। एड्स नामक इस भयानक बीमारी ने देश की एक बडी आबादी को अपने प्रभाव में जकड रखा है। भारत एचआईवी/एड्स उन्मूलन की दिशा में लगातार कठिन प्रयास कर रहा है।आपने छात्राओं से आग्रह किया कि वे स्वयं भी इस बीमारी के प्रति जागरूक रहे व दूसरो को भी जागरूक करें। उक्त कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य एवं आभार डा.राजश्री ठाकुर कार्यक्रम अधिकारी रासेयो ने माना। कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्रायें उपस्थित रही।

अंत्रालिया गांववासी विगत 60 वर्षों से रामलीला का मंचन रहे

भानपुरा (मन्दसौर) । गरोठ से भानपुरा के मध्य में सडक़ मार्ग से लगभग दो किलोमीटर पश्चिम में स्थित जनपद पंचायत भानपुरा के अति प्राचीन गांव अंत्रालिया में पिछले 60 वर्षों से प्रतिवर्ष बिना किसी नागा के अंत्रालिया गांव के ही ग्रामीण जन रामलीला का मंचन कर रहे हैं। जिसमें गांव के ही कलाकारों द्वारा आकर्षक अभिनय किया जाता है, जिसे देखने के लिए गांव के लोगों के साथ आसपास के कई गांव के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर रामलीला का आनंद लेते हैं। रामलीला के संचालक बद्रीलाल विश्वकर्मा ने बताया कि रामलीला के मुख्य पात्र राम का किरदार रामनिवास विश्वकर्मा, लक्ष्मण के रुप में पात्र दशरथ विश्वकर्मा, सीता किशोर पाटीदार, हनुमान बाला शंकर पांचाल, बाली अनिल विश्वकर्मा, सुग्रीव रमेश सेन, भरत पंकेश विश्वकर्मा, शत्रुघ्न अंकित गायरी, रावण कृष्ण गोपाल उपाध्याय, अंगद अमरलाल गायरी, दीपक उपाध्याय के साथ ही गांव के छोटे बड़े 50 से अधिक कलाकार रामलीला को सफल बनाते हैं। संचालक बद्री लाल विश्वकर्मा ने बताया कि धर्म की राह पर चलने के साथ-साथ बच्चों में शिक्षा,संस्कार, सदभाव एकता और धैर्य का संचार करती है, आपने कहा कि जब तक भगवान श्री राम की कृपा होगी वहां तक रामलीला का मंचन चलता रहेगा।

महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल मंदसौर में मानसिक स्वास्थ्य संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मंदसौर । महिला एवं बालिका सशक्तिकरण जागरूकता हेतु शक्ति अभिनंदन अभियान अंतर्गत महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल मंदसौर में मानसिक स्वास्थ्य संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ऋषिकेश्वर त्रिवेदी ने उपस्थित प्रतिभागी बालिकाओं को मानसिक रूप से सुधारण रहने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान की। ममता हेल्थ फाउंडेशन की ओर से श्रीसैनिक मिश्रा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए बाल अधिकार के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान परियोजना अधिकारी श्री बी आर मुजालदे,प्राचार्य श्री के सी सोलंकी, शिक्षिका श्रीमती रेणुका आचार्य एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मंदसौर (म.प्र.)

Email:- cmomandsaur@ mpurban.gov.in phone- 07422-405964
ULB CODE: 802211 क्रमांक/3549/स्टोर/2024 मंदसौर दिनांक 7.10.24

-:: ई टेण्डरिग निविदा आमंत्रण सूचना:-

सर्वसंबंधित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद मंदसौर द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नगर भ्रमण कार्यालयीन कार्य हेतु वाहन (इनोवा स्कारपियो) किराये पर लिया जाना है। इच्छुक व्यापारी अपनी अपनी दरें प्रस्तुत करें। सामग्री का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	ऑनलाइन निविदा क्रमांक	सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	2024_UAD 374598-1	मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नगर भ्रमण कार्यालयीन कार्य उपयोग हेतु प्रतिमाह के मान से वाहन (इनोवा स्कारपियो) किराये पर लेने बाबद। डीजल पेट्रोल एवं ड्राइवर नगर पालिका का रहेगा। प्रति गाड़ी का पृथक-पृथक रेट्स देवे	5.00 लाख	5000/-	2000-

उपरोक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र फार्म-सी पर आमंत्रित किया जाना है जिसका विस्तृत विवेरण वेबसाईट htpp//mptender.gov.in पर देखा जा राकता है, उक्त प्रपत्र क्रय करनें एवं प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी 28.10.24 एवं समय 05.30 है।

नोट-
1. निविदा संबंधित आवश्यक जानकारी कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने को अधिकार मुख्य नगरपालिका अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा ।
3. सशर्त निविदा मान्य नही की जावेगी ।
4. सामग्री कार्यालय द्वारा बतायें गये स्थान पर स्वयं व्यय पर उपलब्ध कराना होगी ।
5. निविदा में यदि कोई संशोधन होता है तो वह केवल वेबसाईट पर ही प्रदर्शित होगा। उसके लिये पृथक से कोई विज्ञापन समाचार पत्रो में जारी नही किया जावेगा।
6. ऑनलाईन दरें समस्त करों सहित देवें ।
7. पेन कार्ड, जी.एस.टी. पंजीयन, दूकान संस्थान जीवित पंजीयन की प्रति संलग्न करना होगी ।
8. समाग्री वित्तीय वर्ष के लिये रहेगी। आवश्यकता होने पर आगामी एक वर्ष तक भी मान्य रह रुकती है।
9. न्याय क्षेत्र मंदसौर रहेगा।
10. समस्त निविदाकारों को सुचित किया जाता है कि वह अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न कर निर्धारित समय सारणी अनुसार निविदा की ऑनलाईन प्रक्रिया पूर्ण करनें वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिये विभाग उत्तरदायी नही होगी।
11. गाड़ी में ड्राईवर एवं डीजल नगर पालिका का रहेगा।
12. गाड़ी 1 वर्ष से ज्यादा पुरानी नही होनी चाहीये ।
13. गाड़ी आल इंडीया परमिट पास हो। बीमा भी होना चाहिये। संलग्न करें ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मंदसौर

दैनिक पंचांग

10 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.29 बजे से
चंद्र	धनु में	वृश्चिक	08.44 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.00 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.05 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.52 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.25 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.55 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.35 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.33 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.47 बजे से
1.30 से 3.00		सिंह	02.03 बजे से
बजे तक		कन्या	04.15 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 284 वां दिन दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 12.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 05.41 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 04.37 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** वणिज 12.32 बजे तदनन्तर विष्टि 00.25 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 07.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 45' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872128 **जूलियन दिन** 2460593.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 06 **विशेष** सरस्वती पूजा, नवपत्रिका पूजा, विश्व मानसिक स्वास्थ्य एवं दृष्टि दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नील गगन के नक्षत्र

3	5	6	9
445	113	150	450
599	122	358	478
779	168	448	577

दिन-780-344

मधुर डे-240-368 मधुर नाइट-

मिलन डे-245-900 मिलन नाइट-

भविष्यफल

आज जन्म लिए बालक का फल........

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, आश्वनि शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि सप्तमी गुरुवासरे प्रा. 07/15 पू.षा. नक्षत्रे रा. 1.39 तक, अतिगंड योगे, वणिक करणे 2.40, धनु की चंद्रमा, भद्रा 2.40 महानिशा पूजा, तुलाराम बुध, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभीमानी, जिद्दी-हठी, अड़ियल स्वाभाव का, सैनिक, सिपाही, कमाण्डर, बिग्रेडियर, डॉक्टर, इंजीनियर, वैसशियर, लेखापाल होगा।

मेष राशि- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेगी, किसी तनाव या विवादग्रस्त होने से बचें, कार्य में सावधानी अवश्य रखें।

वृष राशि- स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य संतोषप्रद रहेगा, स्त्री वर्ग से हानि होगी, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा व प्रभुत्व वृद्धि होगी, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

कर्क राशि- कार्य कुशलता से संतोष एवं नवीन कार्य योजना फलप्रद होगी, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे ध्यान अवश्य दें।

सिंह राशि- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व में वृद्धि होगी, अधिकारियों की अपेक्षा से कार्य हानि होगी, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

कन्या राशि- दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, तत्परता से रुके कार्य निपटा लें, कार्य बनने से चिन्तामुक्त होंगे।

तुला राशि- तनाव व अशांति से कष्ट होगा, दुर्घटनाग्रस्त होने से बचें, रुके कार्य समय पर करने का प्रयास अवश्य करें।

वृश्चिक राशि- स्त्री शरीर सुख, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, आपके कार्यो का विरोध होगा, कार्य अवरोध से हानि होगी।

धनु राशि- स्वाभाव में उद्विघ्नता व क्लेश से मन अशांत रहेगा, तनाव से बचें, कार्य अवरोध होगा, धैर्य अवश्य रखें।

मकर राशि- सफलता के साधन जुटायेंगे, मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, समय का ध्यान अवश्य रखें, कार्य पर ध्यान दें।

कुंभ राशि- विशेष कार्य स्थगित रखें, सामाजिक विभ्रम व उद्विघ्नता से बचें, समय परिस्थिति को समझकर आगे बढ़ें।

मीन राशि- किसी तनाव व क्लेश से बचें, मानसिक उद्विघ्नता का वातावरण बनेगा, परेशानी का अनुभव होगा।

गुरु गड़बड़ाए तो बिगड़ जाती है पूरी जिंदगी

कैसे जानें कि खराब है गुरु?

धन को लेकर चिंता ~ यदि आप पर्याप्त कमाई के बावजूद धन का संचय नहीं कर पा रहे हैं या लगातार आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो यह अशुभ गुरु का संकेत हो सकता है. गुरु की कमजोर स्थिति व्यक्ति को आर्थिक रूप से अस्थिर बनाती है, जिससे धन के आगमन में रुकावट आती हैं.

शारीरिक समस्याएं- गुरु का प्रभाव शरीर के पाचन और श्वसन तंत्र पर देखा जा सकता है. गैस, अपच,पेट दर्द, कंधे और पीठ में दर्द के अलावा थायराइड होने की भी आशंका अधिक रहती है. बालों का जल्दी झड़ना जैसे लक्षणों भी दिखाई दे सकते हैं.

धार्मिक और आध्यात्मिक झुकाव की कमी- यदि आप पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों में रुचि नहीं रखते और दया की कमी महसूस करते हैं, तो यह गुरु के अशुभ होने का संकेत है. गुरु के प्रभाव से व्यक्ति का धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन समृद्ध होता है, लेकिन गुरु की कमजोरी व्यक्ति को नास्तिकता की ओर ले जाती है. यदि व्यक्ति कर्म छोड़कर तांत्रिक पूजा पाठ ज्यादा करने लगता है, तो यह भी गुरु के अशुभ होने का संकेत है.

शिक्षा और ज्ञान की कमी- गुरु बुद्धि और ज्ञान का प्रतीक होता है. यदि आपके लिए सही और गलत के बीच फर्क करना कठिन हो रहा है, आपकी शिक्षा अधूरी रह गई है या आपकी वाणी कमजोर हो रही है, तो यह भी गुरु के कमजोर होने का संकेत हो सकता है.

बुजुर्गों की सेवा न करना- गुरु का संबंध सम्मान और आदर से जुड़ा है. यदि कोई व्यक्ति बुजुर्गों की सेवा नहीं करता या उनका अपमान करता है, तो इसका सीधा प्रभाव गुरु पर पड़ता है.

शराब का सेवन- शराब का सेवन गुरु की ऊर्जा को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है. जैसे-जैसे व्यक्ति का शराब पीना बढ़ता है, वैसे-वैसे उसका गुरु और अधिक अशुभ होता जाता है.

कैसे करें गुरु को ठीक- गुरु के शुभ प्रभाव के लिए गुरुवार को भगवान विष्णु की पूजा करें. पीले वस्त्र धारण करें और केले, चने की दाल जैसे पीले पदार्थों का दान करें. गुरु के शुभ प्रभाव को बढ़ाने के लिए साधु-संतों, बुजुर्गों और ब्राह्मणों का सम्मान करें. गौ-सेवा और ब्राह्मणों की सेवा करने से भी गुरु की अशुभता दूर होती है. बुजुर्गों की सेवा और शराब से दूर रहना, गुरु के अशुभ प्रभाव को कम करने के महत्वपूर्ण उपायों में से हैं.

- गुरु महेश जैन, इंटरनेशनल ज्योतिषाचार्य राणापुर जिला झाबुआ, 7000098868

आत्मनिर्भर बनने की संकल्पना को मन में धारण कर

ऑस्ट्रेलिया से नौकरी छोड़ जिले में स्थापित किया नवाचार के रूप में स्वरोजगार

गोबर से बनाया प्राकृतिक पेन्ट

बड़वानी।

जिले के ग्राम बगुद निवासी चंदन पिता बलराम जाट ने उद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना के तहत 25 लाख रुपए का ऋण लेकर प्राकृतिक पेन्ट निर्माण इकाई स्थापित की। जहां गोबर से प्राकृतिक पेन्ट का निर्माण करते हैं।

प्राकृतिक पेन्ट की विशेषताएं

यह पेन्ट पर्यावरण अनुकूल, विष रहित, गंधहीन, फफूंद एवं जीवाणु रोधी है। इस पेन्ट में मुख्य घटक के रूप में 30 से 40 प्रतिशत गोबर का उपयोग किया गया है, जो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रमाणित है। भारी धातुओं से मुक्त ये पेन्ट नेचुरल थर्मल इंसुलेटर की तरह काम करता है। चंदन जाट ने बताया कि वह इलेक्ट्रिक इंजीनियर है और उन्होंने मार्केटिंग एंड इंजिनियरिंग में एमबीए किया है। साथ ही वर्ष 2016 से 2019 तक सिडनी ऑस्ट्रेलिया में अच्छे पैकेज पर नौकरी की, लेकिन आत्मनिर्भर बनने की संकल्पना को मन में धारण कर नौकरी छोड़ स्वरोजगार को चुना।

पीएमईजीपी योजना के तहत चंदन जाट ने 25 लाख रूपए का ऋण 8 लाख रूपए के अनुदान पर मप्र ग्रामीण बैंक शाखा बड़वानी से प्राप्त किया। जिससे उन्होंने लगभग 3 वर्ष पहले यह इकाई स्थापित करने का सोचा। इस इकाई के माध्यम से वह 8-10 लोगों को रोजगार दे रहे हैं। इस योजना से लाभांवित होकर उन्होंने इस नवाचार को मूर्त रूप दिया है। इसके लिए वह शासन का धन्यवाद देते हैं।

क्या है पीएमईजीपी योजना

पीएमईजीपी योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं एवं पारंपरिक कारीगरों की सहायता करना एवं गैर कृषि क्षेत्र में सुक्ष्म उद्योगों की स्थापना के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है।

सशक्त वाहिनी में पंजीयन के साथ आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

शक्ति सम्मान अभियान अंतर्गत महिला एवं बाल विकास ने किए जिले में आयोजन

बड़वानी। कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 से 11 अक्टूबर तक शक्ति सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले में परियोजना स्तर पर आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला स्तर पर वन स्टॉप सेंटर बड़वानी में किशोरी बालिकाओं को आत्म रक्षा तथा साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षक रत्ना भावसार ने आत्म रक्षा के तरीके बताए, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में हमला होने पर जोर से चिल्लाना लाभकारी होता है, वहीं एकांत क्षेत्र में हमलावर पर प्रहार किया जाना जरुरी हो जाता है। लड़कियों पर हमले की स्थिति में बचाव के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साइबर सुरक्षा पर जिला रिसोर्स पर्सन नाजनीन खान ने बताया कि अनजाने लोगों से जानकारी सांझा करना तथा अनजानी लिंक पर क्लिक करना खतरनाक हो सकता है। मोबाईल का उपयोग करते समय रखी जाने वाली सावधानियों पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर सशक्त वाहिनी पंजीयन किया गया। कन्या माध्यमिक शाला की आत्म रक्षा में प्रशिक्षित बालिकाओं के साथ सशक्त वाहिनी पंजीयन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग में किशोर सशक्तिकरण जिला समन्वयक शैलेश बैरागी ने बताया कि सशक्त वाहिनी में पंजकृत बालिकाओं को रोजगार के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग किया जाएगा।

उधार सामान खरीदा और भुगतान के लिए चेक दिया

चेक बाउंस हो जाने से आरोपी को 1 वर्ष का सश्रम कारावास और प्रतिकर की राशि का भुगतान करने का आदेश

बड़वानी। न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी श्रीमती पूजा विजयवर्गीय जैन ने पारित अपने निर्णय अनुसार परिवादी ब्रजेन्द्र द्वारा अभियुक्त मनोहर पिता नाथु निकुम निवासी निवाली को व्यवसाय के लिए डिस्क का सामान 60 हजार रूपए का उधार दिया था। जब परिवादी ब्रजेन्द्र ने उधार डिस्क के सामान के रूपयों की मांग की तो अभियुक्त मनोहर द्वारा अपने बैंक खाते का एक चेक 60 हजार का दिया गया था। जिसे परिवादी ने अपने बैंक खाते मे प्रस्तुत किया।

जहां से उक्त चेक बाउन्स हो गया था, जिसका परिवाद परिवादी के द्वारा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। उक्त परिवाद का निराकरण 7 अक्टूबर को हुआ और न्यायालय ने अभियुक्त मनोहर को दोष सिद्ध ठहराते हुए 1 वर्ष का सश्रम कारावास और चेक राशि ब्याज और प्रतिकर एवं अन्य व्यय सहित 80 हजार रूपए परिवादी को 1 माह में अदा करने का आदेश दिया गया। उक्त राशि अभियुक्त द्वारा जमा नहीं करने की दशा में अभियुक्त को 3 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। उक्त प्रकरण में परिवादी की ओर से पैरवी नरेन्द्र राठौड़ अधिवक्ता एवं शंकरलाल यादव ने की।

कलेक्टर ने एक व्यक्ति को थाने पर उपस्थिति के दिए आदेश

बड़वानी।

कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग ने एसपी पुनित गेहलोद की रिपोर्ट में जिला बदर की कार्रवाई के लिए प्रस्तावित एक व्यक्ति को पुलिस संबंधित थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आदेशित किया है। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनावेदक भोई प्लाट पानसेमल निवासी पराग पिता देवेन्द्र सोनी को अक्टूबर में 15 एवं 31 तारीख को, नवम्बर में 10 एवं 25 तारीख को, दिसम्बर में 15 एवं 31 तारीख को, जनवरी 2025 में 10 एवं 25 तारीख को, फरवरी में 15 एवं 28 तारीख को तथा मार्च में 5 एवं 31 तारीख को थाना प्रभारी पानसेमल के समक्ष 6 माह तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

आदेश में उल्लेखित किया है कि यदि अनावेदक उक्त निर्धारित तिथियों में कहीं जाता है, तो उसकी सूचना अपने-अपने थाना प्रभारियों को पूर्व से ही देगा। आदेश का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सहायक प्राध्यापक भर्ती साक्षात्कार की तैयारी

बड़वानी। शहर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वीणा सत्य के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा सहायक प्राध्यापक भर्ती के लिए होने वाले साक्षात्कार की तैयारी के लिए निरूशुल्क मार्गदर्शन दिया जा रहा है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ मधुसूदन चौबे ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापकों के पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली गई थी। विषयवार परीक्षा के परिणाम घोषित किए जा रहे हैं। चयनित युवाओं को अब इंटरव्यू का सामना करना होगा।

संभाग स्तरीय कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता में बड़वानी जिला विजेता

बड़वानी। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संभाग स्तरीय कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता शासकीय कन्या महाविद्यालय खंडवा में आयोजित की गई। जिसमें क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन के अंतर्गत आने वाले जिलों की टीमों ने भाग लिया।

बड़वानी जिले की महिला टीम ने कोच श्रीमती रेखा बिसेन के मार्गदर्शन में सहभागिता की और प्रथम मैच में खरगोन जिले की टीम को 3 पॉइंट से हराया। वहीं सेमीफायनल मैच में बुरहानपुर को एक तरफा मुकाबले में 40 पॉइंट से हराया।

फायनल मैच खण्डवा जिला और बड़वानी जिले के बिच हुआ। जिसमें बड़वानी जिले की टीम ने 9 पॉइंट से फायनल मैच जिता। इस टीम में शासकीय कन्या महाविद्यालय की 8 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें से 3 छात्राओं का चयन विश्वविद्यालय की टीम में हुआ है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ वंदना भारती, प्रभारी डॉ जगदीश मुजाल्दे, क्रीडा प्रभारी डॉ महेश कुमार निंगवाल एवं समस्त स्टॉफ ने शुभकामनाएं दी देते हुए प्रोत्साहित किया।

लायंस क्लब सदस्यों ने ने कराया कन्या भोज

कन्या हाईस्कूल में आयोजित किया कार्यक्रम

बड़वानी। स्थानीय कन्या हाईस्कूल में लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा बालिकाओं को भोजन कराया गया। महेश शर्मा ने बताया कि भोजन के पूर्व बच्चों को अच्छे से साबून से हाथ धुलवाए और उन्हें हाथ धोने के फायदे भी बताए। राम जाट ने बच्चों को भोजन झूठा न छोड़ने और अपने घर पर भी सभी को इसकी जानकारी देने को कहा। उन्होंने बताया कि किस तरह किसान मेहनत कर अन्न उगाता है और हम उस अन्न को झूठा छोड़ देते हैं, जबकि दुनिया में कई लोग ऐसे हैं, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता है। नीना जैन, जया शर्मा और ज्योति शर्मा ने सभी बालिकाओं का पुजन किया। इसके बाद क्लब सदस्यों ने खीर, पूड़ी, सब्जी और भजिए परोसकर बालिकाओं को भोजन कराया। भोजन के बाद सभी बालिकाओं को चॉकलेट भी वितरित की गई। अंत में राजेंद्र शर्मा ने स्कूल स्टॉफका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती रचना पुरोहित, श्रीमती मोहिनी शुक्ला, विजय सोनी सहित स्कूल स्टॉफ उपस्थित था ।

नर्मदा कांवेंट हासे ने चलाया स्वच्छता महाअभियान

विद्यार्थियों ने दुकानदारों को किया सम्मानित

बड़वानी। शहर की नर्मदा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल द्वारा नगर पालिका के साथ स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता का महाअभियान चलाया गया। इस दौरान झंडा चौक, रणजीत चौक, मुख्य मार्ग, मोटीमाता चौराहा तथा विजय स्तंभ कारंजा चौराहा तक स्वच्छता की अपील की गई। साथ ही जिन दुकानदारों की दुकानों के सामने साफ सफाई और स्वच्छता एवं डस्टबीन पाई गई, उन्हें विद्यार्थियों द्वारा पुष्प भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विजय स्तंभ पर मानव श्रृंखला बनाई गई। जहां नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति अश्विनी निक्कू चौहान ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ कुशलसिंह डोडवे, स्कूल संचालक एवं नपा के स्वच्छता अभियान ब्रांड एम्बेसेडर श्रीराम यादव, शिक्षक भूपेन्द्र यादव, प्रवीण यादव, संदीप जाधव, सिद्धार्थ मायरिया, विक्रम डुडवे, शिक्षिकाएं अर्पणा तिवारी, लकेशवरी गंभीर, परवीन खान, श्रुतिका कचनारे, जनप्रतिनिधि प्रभुलाल यादव एवं करीब 600 विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यालय नगर परिषद पलसूद जिला - बड़वानी (म.प्र.)

क्रमांक/ईटेण्डर/1826,1827,1828/2024 पलसूद, दिनांक 09.10.2024

:: ई-निविदा आमंत्रण सूचना ::

एतद् द्वारा समस्त समक्ष श्रेणी पंजीकृत ठेकेदार/फर्म को सूचित किया जाता है कि, निम्नलिखित कार्यो की निविदा ऑनलाईन ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

ई- टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में एवं समयावधि	अमानत राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपए	निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय
2024_UAD_372546_1	As per the requirement of repair and maintenance construction work for FY 2024-25	09.00 Lakh FY 2024-25	9000/- 2000/-	23.10.2024 5.30 PM
2024_UAD_372562_1	Supply of Construction Materials as per Schedule FY 2024-25	09.00 Lakh FY 2024-25	9000/- 2000/-	23.10.2024 5.30 PM
2024_UAD_375075_1	XLPE insulation Aluminum Armoured cable 120 mm, 3.5 core (33 KV HT Feeder Line) For Vertical Turbine Motor Pump	02.50 Lakh 02 Months	9000/- 2000/-	23.10.2024 5.30 PM

1. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 23.10.2024 सायं 5.30 बजे तक निर्धारित हैं।

नोट- उपरोक्त कार्य के Amendments केवल वेबसाईट पर ही Corrigendum/addendum details अन्तर्गत प्रकाशित किये जावेंगे। अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर अथवा कार्यालय मे कार्यालयीन समय पर देखे जा सकते है।

मुख्य पालिका अधिकारी नगर परिषद, पलसूद

कुब्रा और नवाजुद्दीन ने की पुनर्मुलाकात

शोबिज की हलचल के बीच एक खास पल जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया, वह था कुब्रा सैत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पुनर्मुलाकात।कुब्रा सैत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सैक्रेड गेम्स में अपनी केमिस्ट्री और अदाकारी से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी थी। इस इवेंट में उनकी पुनर्मुलाकात सभी के लिए एक यादगार पल था। उनके गले मिलने और एक-दूसरे का स्वागत करने का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। फैंस और दर्शकों ने अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए उन पर खूब प्यार लुटाया। इस दिल को छू लेने वाले वीडियो ने उनकी बॉन्डिंग की झलक दिखाई, और यह साफ था कि लोग अब भी उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को संजोए हुए हैं।

शहीर कृति सैनन के साथ रोमांस करेंगे

दो पत्ती का पहला गाना रांझा रिलीज हो गया है और इस दिल को छू लेने वाले ब्रेकअप गाने में कृति सैनन डबल रोल में हैं, उनके साथ दिलों की धड़कन शहीर शेख भी नजर आ रहे हैं। गाने के भावपूर्ण बोल और मधुर धुन ब्रेकअप के बाद के दर्द और तड़प को बखूबी दर्शाते हैं। दोनों के बीच की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, और इस बात ने काफी चर्चा पैदा कर दी है कि फिल्म में दोनों बहनें एक ही आदमी के प्यार में पड़ी हैं। रोमांस और दिल टूटने की कहानी का वादा दर्शकों को और ज्यादा देखने की चाहत में छोड़ रहा है। यह फिल्म कृति के बतौर निर्माता डेब्यू का प्रतीक है, जबकि शहीर शेख की यह बॉलीवुड में पहली फिल्म है।

रणवीर ने टाइगर श्रॉफ को मैन क्रश बताया

टाइगर श्रॉफ ने रोहित शेट्टी की कॉप-यूनिवर्स में सिंघम अगेन के साथ शानदार शुरुआत की है, जिसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ किया गया। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर, श्रॉफ के को-स्टार रणवीर सिंह ने यंगेस्ट एक्शन किंग की तारीफ की और खुद को उनका बहुत बड़ा फैन बताया। उन्हें अपना मैन क्रश बताते हुए सिंह ने कहा कि शायद दुनिया में टाइगर, जितना स्पेशल और उनके जितना स्किल्ड कोई नहीं है। उन्होंने श्रॉफ की माइकल जैक्सन की तरह डांस और ब्रूस ली की तरह लड़ने की क्षमता की भी प्रशंसा की।

बिग बॉस 18 में शामिल होने की वजह शिल्पा ने बताई

फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर 80 और 90 की दशक में कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। किशन-कन्हैया, बेवफा सनम, गोपी किशन, खुदा गवाह, आंखें उनकी ऐसी ही कुछ फिल्में हैं। शादी के बाद शिल्पा ने फिल्मी दुनिया को बाय बोल दिया। अब उनकी बेटी 20 साल की हो चुकी है तो वह बिग बॉस 18 का हिस्सा बनी हैं। शिल्पा ने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बताया कि वह शो में क्यों आईं। शिल्पा बोलीं, ईमानदारी से कहूं तो मैं शो की बहुत बड़ी फैन हूं। जब भी मैं शो देखती तो मेरी बेटी बोलती कि मुझे जाना चाहिए। शिल्पा ने बताया कि बिग बॉस में आने से पहले वह काम की तलाश में थीं। लोग उन्हें काम के लिए न कह रहे थे, यहां तक कि मिलने के लिए भी तैयार नहीं थे। शिल्पा ने बताया कि वह बिग बॉस में इसलिए आई क्योंकि इस शो की बड़ी फैन हैं। शिल्पा आगे बताती हैं, घर के लोग बहुत खुश हैं कि मैं अंदर जा रही हू। मैं काम की तलाश में थी। बेटी 20 साल की हो गई है। पति काम के सिलसिले में ट्रैवल करते रहते हैं। मैं काम खोजने की कोशिश कर रही थी लेकिन हर कोई बोल रहा था कि काम नहीं है।

श्री राम अपने लव और कुश से मिथिला में मिलेंगे?

श्रीमद् रामायण श्री राम और सीता की महाकाव्य गाथा है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने लव और कुश को सहस्त्र रावण की ओर से भेजे गए राक्षस से सीता को बचाते देखा, जब वह फल्गु नदी में प्रार्थना कर रही थीं। इस दौरान लव और कुश राजा जनक से मिलते हैं, जो उन्हें एक शक्तिशाली तीर भेंट करते हैं, जिसका उपयोग वे राक्षस को हराने और सीता को बचाने के लिए करते हैं। हालांकि, उस समय राजा जनक को यह एहसास नहीं होता कि वे उनके नाती हैं।राजा जनक मिथिला लौटते हैं। यह सोचते हुए कि आश्रम में मिले दो युवा लड़के इतने कुशल तीरंदाज कैसे हो सकते हैं। उनके मन में संदेह होने लगता है कि क्या वे सीता के पुत्र हो सकते हैं। उत्सुक होकर वह मिथिला में एक तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं। वे लव और कुश को भी आमंत्रित करते हैं, जो देवी सीता का आशीर्वाद लेकर मिथिला के लिए रवाना होते हैं। इस बीच श्री राम दोबारा शादी न करने का फैसला करते हैं और भरत (को राज्य सौंपने की योजना बनाते हैं ताकि वह अपनी पत्नी के साथ अश्वमेध यज्ञ कर सकें। जब राम राजा जनक को यज्ञ के लिए आमंत्रित करने के लिए मिथिला जाते हैं, तो एक महत्वपूर्ण क्षण आता है- क्या भगवान राम आखिरकार अपने बेटों से मिलेंगे, जो अभी भी इस बात से अनजान हैं कि वह उनके पिता हैं?

शर्वरी ने दिखाया फिटनेस का जलवा

शर्वरी इस साल अपने शानदार प्रदर्शन के कारण सुर्खियों में हैं। मुंजा ,महाराज और वेदा जैसी फिल्मों में उनकी दमदार अदाकारी ने लोगों का दिल जीत लिया है। अब, जैसे ही शर्वरी अपनी आगामी फिल्म अल्फा के एक और शेड्यूल के लिए तैयार हो रही हैं, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने वॉश बोर्ड एब्स दिखाकर सभी को बड़ा फिटनेस मोटिवेशन दिया है! शर्वरी ने अपने ग्लैमरस फिटनेस फोटोज को कैप्शन दिया, ÷इन माय फिट पूकी एरा।÷ यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा के तीसरे शेड्यूल की शुरुआत होने जा रही है, और शर्वरी अपने फिटनेस के चरम पर हैं। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

'सुस्वागतं खुशामदीद' का टीज़र रिलीज

रोमांटिक कॉमेडी सुस्वागतं खुशामदीद का टीज़र आज आधिकारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया है।पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ स्टारर यह फिल्म, जो 22 नवंबर को रिलीज हो रही है, प्यार, एकता और स्वीकृति का दिल छूने वाला संदेश देने का वादा करती है।टीज़र में एक दमदार संवाद है जो फिल्म की भावना को समेटता है- मेरा वतन हिंदुस्तान है, जिसका मानता है संविधान, कि काले, गोरे, हिंदू, मुस्लिम से कोई फ़र्क नहीं पड़ता।जब एक इंसान दूसरे इंसान से मोहब्बत करता है तो उसे हक है, हक है कि वो उसके साथ ज़िंदगी बिताए।और ये अधिकार देता है मुझे मेरा संविधान।फिल्म के बारे में बात करते हुए पुलकित सम्राट ने कहा, सुस्वागतं खुशामदीद हमारे देश की विविधता का उत्सव है।इसाबेल और हमारे निर्देशक धीरज जी के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा है।

स्टार परिवार अवॉर्ड्स में होगी ग्रैंड वेडिंग!

स्टार परिवार अवॉर्ड्स 2024 के रेड कार्पेट में राजन शाही, रूपाली गांगुली, गौरव खन्ना, समृद्धि शुक्ला, रोहित पुरोहित, भाविका शर्मा, हितेश भारद्वाज, अंकित रायजादा, श्रीतमा मित्रा, रुतुजा बागवे, अंकित गुप्ता, हिबा नवाब, कृषाल आहूजा, अक्षित सुखीजा, अदिति त्रिपाठी, सोनाक्षी बत्रा, फहमान खान और विजयेंद्र कुमेरिया जैसी पॉपुलर टेलीविजन हस्तियां शामिल हुईं।, अवॉर्ड्स शो का एक और बड़ा आकर्षण साल की सबसे बड़ी शादी होगी – जी हां! सचिन और साइली की शादी! इस साल स्टार परिवार अवॉर्ड्स 2024 की थीम शादी है, जिसमें सभी स्टार परिवार के सदस्य टीम दुल्हन और टीम दूल्हे में बांटे गए थे।कंवर ढिल्लन उर्फ़ सचिन दूल्हा थे और नेहा हरसोरा उर्फ़ साइली दुल्हन।स्टार परिवार अवॉर्ड्स के मंच पर सचिन और साइली की शादी एक ग्रैंड इवेंट होने वाली है।

स्टार्स ने मनाया नवरात्रि का जश्न

'छठी मैया की बिटिया' शो में वैष्णवी का किरदार निभाने वाली बृंदा दहल अपने पहले नवरात्रि उत्सव का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। गरबा के लिए तैयार होने की पूरी प्रक्रिया, रंग-बिरंगे कपड़े और गहने पहनना, मुझे बहुत पसंद है। मैंने इस मौके के लिए खास खरीदारी भी की है ! सिद्धि शर्मा, जो इश्क़ जबरिया में गुल्की का किरदार निभा रही हैं, उन्होंने नवरात्रि की परंपराओं को संजोते हुए कहा, नवरात्रि के दौरान हमारे घर में हम माता रानी की

स्थापना करते हैं और मैं दीवार पर उनकी तस्वीर बनाती हूं। अष्टमी के दिन हम कन्या पूजन करते हैं, जिसमें छोटी लड़कियों को बुलाकर उन्हें भोजन कराते हैं। साझा सिंदूर में फूली का किरदार निभाने वाली स्तुति विंकले ने नवरात्रि के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, नवरात्रि मेरे लिए खास है क्योंकि यह मुझे अपनी अंदर की सकारात्मक स्त्री ऊर्जा को महसूस कराता है। छठी मैया की बिटिया में वैष्णवी (बृंदा दहल) की कहानी है, जो एक अनाथ है और छठी मैया (देवोलीना) को अपनी मां मानती हैं।इश्क़ जबरिया गुल्की (सिद्धि शर्मा) की कहानी है, जो एयर होस्टेस बनने की अपनी यात्रा पर निकली है। और साझा सिंदूर में फूली (स्तुती विंकले) की कहानी है, जिसे उसकी शादी के दिन हुई दूल्हे की मौत के बाद अविवाहित विधवा करार कर दिया जाता है।

आसिफ और रोहिताश्व ने रामलीला जश्न में मचाई धूम

लालकिला का प्रतिष्ठित लव कुश रामलीला अपनी आकर्षक भव्यता और जीवंत माहौल के लिये प्रसिद्ध है। इस रामलीला ने एक बार फिर हजारों भक्तों और प्रशंसकों को भगवान राम की जीत की इस भव्य गाथा का साक्षी बनने के लिये आकर्षित किया है। इस साल का जश्न एण्डटीवी के पसंदीदा और मशहूर शो 'भाबीजी घर पर हैं' के कलाकारों आसिफ शेख ऊर्फ विभूति नारायण मिश्रा और रोहिताश्व गौड़ ऊर्फ मनमोहन तिवारी की मौजूदगी से और भी खास बन गया। इन प्रतिभाशाली कलाकारों ने न सिर्फ जश्न में भाग लिया, बल्कि दर्शकों को खुश करते हुये इस उत्सव की रौनक को भी बढ़ाया। आसिफ शेख का दिल्ली से एक गहरा नाता रहा है और यहां के लोगों का स्वागत देखकर वह मंत्रमुग्ध रह गये।

भूतनाथ जैसा दोस्त चाहती थी अवनि

'कौन बनेगा करोड़पति' तीन लाजवाब पैरालंपिक एथलीट्स- नवदीप सिंह, सुमित अंतिल और अवनि लेखरा का स्वागत करेगा। इन चैंपियन्स ने पेरिस में हाल ही में संपन्न पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और मेडल जीतकर सभी को गौरवान्वित किया। अवनि लेखरा ने अपनी पसंदीदा फिल्म 'भूतनाथ' के बारे में बात की, जिसके मुख्य कलाकार अमिताभ बच्चन हैं। मैं उस समय बहुत छोटी थी, और मेरे पिता की नौकरी में उनके ट्रांसफर होते रहते थे, इसलिए हम बहुत घूमते थे, जिस कारण से मेरे लिए दोस्त बनाना मुश्किल हो जाता था, खासकर मेरे अंतर्मुखी होने के कारण भी। जब मैंने भूतनाथ देखी, तो मुझे यह बहुत पसंद आई। मैं भूतनाथ जैसा दोस्त चाहती थी! मैंने पहली बार किसी भूत को सुपरहीरो के रूप में देखा था, और यह बिल्कुल भी डरावना नहीं था।

फेस्टिव सीजन की सबसे बड़ी हिट भूल भुलैया 3

रिलीज के एक हफ्ते बाद भूल भुलैया 3 का टीज़र अब भी काफी सुर्खियों में है और यूट्यूब के फ़िल्म चार्ट में नंबर 1 पर बना हुआ है। टी-सीरीज़ फिल्म्स द्वारा बनाई गई यह नई फिल्म इस फेस्टिव सीजन की सबसे बड़ी हिट बनने के लिए तैयार है, जो अपनी खूबसूरत विजुअल्स, रहस्यमय कहानी, और रूह बाबा और मंजुलिका के बीच के संघर्ष की वजह से दर्शकों का ध्यान खींच रही है।कहानी का फॉक्स रूह बाबा (कार्तिक आर्यन), और मंजुलिका (विद्या बालन) के बीच होने वाली जबरदस्त भिड़ंत है। यह रोमांचक संघर्ष कहानी में एक नया मोड़ लाने वाला है, और दर्शक बेसब्री से देखना चाहते हैं कि उनका आमना-सामना कैसा होने वाला है।

एसीपी सत्या के रूप में टाइगर श्रॉफ की दहाड़!

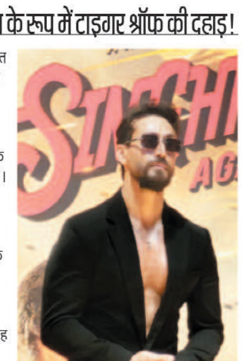

रोहित शेट्टी निर्देशित 'सिंघम अगेन' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें एक ब्लॉकबस्टर होने के सभी तत्व मौजूद हैं। सबसे अलग है बॉलीवुड के वंडर बॉय टाइगर श्रॉफ, जो एसीपी सत्या के रूप में एक्शन फ़िल्म में एक बार फिर से द टाइगर इफेक्ट को पूरी तरह से दिखाने के लिए तैयार हैं।टाइगर की फिल्मोग्राफी पर एक नजर डालने पर आपको पता चलेगा कि जब भी वह एक्शन स्टार के रूप में स्क्रीन पर नजर आये हैं, उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है, जिसका उदाहरण उनकी फ़िल्में- हीरोपंती, वॉर और बागी फ़्रैंचाइज़ी हैं।टाइगर की हीरोपंती ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफ़िस पर 77.9 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, जो एक नए डेब्यूटेंट के लिए रिकॉर्ड तोड़ने वाला नंबर था।उन्होंने 2016 में शुरू हुई बागी फ़्रैंचाइज़ी के साथ बॉक्स ऑफ़िस पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा।

राग दरबारी

श्वेतपत्र के अक्षर काले

मास्टरजी! मेरे दिमाग़ में एक सवाल कीड़े की तरह काट रहा है!

राजनीति का कीड़ा। मेरे ज्ञानी मंगू! ऐसा कौनसा प्रश्न है जो तेरे कीड़े से बढ़कर है

वैसे तो है देश समस्याओं और घटनाओं का खजाना, परंतु उनमें छलनी लगाकर विपक्ष ने दो घटनाओं पर सरकार से श्वेतपत्र जारी करने की लगातार मांग की है, जिसे नकारने पर विरोधी हार थककर मौन?हो गए इस आशा में कि वे सरकार बनाएंगे तब उनसे भी यही मांग होगी तब बगलें झांकने पड़ेंगीं।

अब और कौनसी समस्याएं हैं जिन पर श्वेतपत्र मास्टरजी

वे ही किसान की हितैषी सरकार के खिलाफ किसान आंदोलन, दूसरी डबल इंजन सरकार मणिपुर में खूनी संघर्ष।

शुद्ध हिन्दी में समझने की कोशिश करो, तुम्हारी सरकार में बहुयामी प्रतिभाएं हैं, कूटनीतिक, आध्यात्मिक, वैज्ञानिक, तांत्रिक, व्यवसायिक, क्रीड़ा, सिने जगत और फेंकू जादुई जगत जो चौबीस घंटे और सात दिन ईश दर्शन , चांद की सैर, बुलेट ट्रेन सफर, डबल इनकम किसान बनाने, हर खाते में पंद्रह लाख, स्वरोजगारी युवा शिक्षण, लूटपाट, अपहरण, बलात्कार, आतंकवाद सफाई, गोधन रक्षा आदि आदि के लुभावने नारों से पब्लिक को रिझाने में लगे हैं ।अंत में फेंकूराम से श्वेत पत्र के समान स्पष्टीकरण दिलाकर बगल में टंगी झोली में समस्याओं, घटनाओं को भरकर विश्व भ्रमण में अरब सागर में डुबोकर आ जाते हैं।

पितृपक्ष में पितरों के मोक्ष हेतु गया जाते हैं अर्थात् वहां छोड़कर आ जाते हैं, इसी प्रकार दशक पूर्व की अनगिनत समस्याओं की मुक्ति समुद्र में डुबाने से हो जाती है। फिर श्वेत पत्र की क्या आवश्यकता

वैसे तेरे कहने में दम है

व्यंग्य तो नहीं कर रहे गुरुदेव

तुम्हारे नेता, मंत्री, संत्री झूठ के लच्छेदार भाषणों को फेंककर जनता की झोली भर रहे हैं मतलब काले अक्षरों से बने शब्द जाल का ही तो उपयोग कर रहे हैं, फिर इन काले अक्षरों से युक्त वाक्यों को श्वेतपत्र के रूप में उतारने में क्या लज्जा क्या भय है इन्हें कौन से नरक में जाने का भय जो खुद ही यमदूत हैं, जो भाषणों में जनता को विरोधियों का डर दिखाकर जनरक्षक बन रहे हैं।

ये बात अब तक मेरी समझ में क्यों नहीं आई

क्योंकि मंगू पटेल! तुम अपने आकाओं की तरह साष्टांग प्रणाम कर मंत्री जी की दलाली करने में लग गये हो।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
ग्वालियर

जम्मू-कश्मीर एवं हरियाणा के चुनाव नतीजों के सबक़

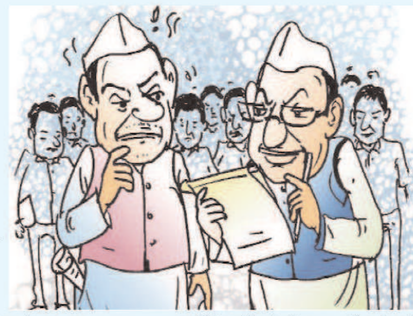

भारत के दो महत्वपूर्ण प्रदेशों में विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। एक में एनडीए गठबंधन को तथा दूसरे में इंडिया गठबंधन को बहुमत मिला है। एक तरह से यह वन आल है। ये दोनों ही चुनाव राजनैतिक विश्लेषकों के लिए पहेली बन कर रह गये हैं। जम्मू कश्मीर में धारा तीन सौ सत्तर हटने के बाद से यह पहला चुनाव था जिसमें भारतीय जनता पार्टी का बहुत कुछ दांव पर लगा था। उसे यह उम्मीद थी कि जिस तरह से उसने कश्मीर में स्थितियां बदली हैं और अपने अनुकूल की हैं उसी तरह से वहां की जनता भी उसे पसंद करेगी खास कर जम्मू को लेकर वह बहुत आशान्वित थी। परिणाम बतलाते हैं कि जम्मू में मतदाता ने एक सीमा तक ही भारतीय जनता पार्टी का समर्थन किया और बहुत सी जगह उसने कांग्रेस तथा एनसी के उम्मीदवारों को भी विजयी बनवाया। यहां तक कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार रैना को भी हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी तरफ़ कश्मीर घाटी के मतदाताओं ने भाजपा से पूर्ण दूरी बनाते हुए कांग्रेस तथा नेशनल कांफ्रेंस को भारी बहुमत दे डाला और इसी क्रम में महबूबा मुफ्ती की पीडीएफ़ तथा इंजीनियर राशिद के दल से उनके कथित भाजपा समर्थक रुख़ के कारण मुख मोड़ लिया। जम्मू कश्मीर में भाजपा का सरकार बनाने की ख़्वाहिश इसलिए भी अधूरी रह गई क्योंकि पिछले दस वर्षों में कश्मीरी पंडितों से किये गये उसके वायदों पर कभी भी गंभीरता से कार्य नहीं किया गया जबकि वहां लगातार राज्यपाल का शासन तथा उससे पूर्व महबूबा के संग भाजपा का शासन रहा था। इसी कारण से जम्मू क्षेत्र में भी उसे वांछित समर्थन नहीं मिल सका।

अब आते हैं हरियाणा की तरफ़। मतगणना दिवस के पूर्व तक पिछले दो महिनों से चुनाव रिपोर्टर तथा विश्लेषक यह अंदाज लगा रहे थे कि इस बार हरियाणा के मतदाताओं में भाजपा के प्रति गहरी नाराज़गी है और यहां का किसान,जवान और युवा भाजपा को वोट करने नहीं जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर के कार्यकाल को इसकी प्रमुख वज़ह बतलाया गया। आम जनता में भी इसी प्रकार की प्रतिक्रिया देखी जा रही थी। भाजपा की संभावित हार की आशंका तब और ज्यादा बढ़ गई जब प्रधानमंत्री मोदी की बहुत कम चुनावी रैलियां हरियाणा में रखी गई और खट्टर साहब का चित्र पोस्टरों से ग़ायब कर दिया गया।

उधर कांग्रेस का जोश हाई था। जाट भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में लामबंद दिख रहे थे, लोकदल और दुष्यंत चौटाला की जेजेपी का कोई असर नहीं दिख रहा था जो जाट वोट विभाजित होने की संभावना बने। राहुल गांधी की रैलियां और यात्राएं हो रही थीं तथा मुस्लिम एवं दलित मतदाताओं पर पकड़ मज़बूत की जा रही थी। फिर एग्जिट वोट में लगभग सभी एजेंसियों ने कांग्रेस को पचास से पैंसठ सीटें देकर भारी बहुमत आने की भविष्यवाणी कर दी थी। निष्कर्ष यह था कि भाजपाई कार्यकर्ताओं में थोड़ा उत्साह कम दिख रहा था तो कांग्रेसियों का उत्साह आल टाइम हाई था। कौन बनेगा मुख्यमंत्री वाली थीम पर चर्चाएं होने लगी थीं।

वोटों की गिनती शुरू हुई और प्रारंभिक पिछड़न के बाद भाजपा जो बढ़ी तो फ़िर बढ़ती ही चली गई। लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने के अद्भुत प्रदर्शन की तरफ़।

अब जरा गंभीरता से भाजपा की इस जीत और कांग्रेस की हार का विश्लेषण करें तो सर्वप्रथम यह तथ्य सामने आता है कि भाजपा ने 2014 से हरियाणा में जिस ग़ैर जाट मतदाता समूह को लामबंद किया था और जिसके दम पर उसने तीन लोकसभा और दो विधानसभा चुनावों में सफ़लता प्राप्त की थी वो समूह अभी भी उसके साथ बगैर शोर करे जुड़ा हुआ है और सफलता की गारंटी दे रहा है।

दूसरा तथ्य यह है कि कांग्रेस पिछले तीन विधानसभा चुनावों में मूलतः अपने को जाट मुस्लिम पार्टी से आगे नहीं ले जा सकी और इसी कमी के चलते वो बचे हुए साठ प्रतिशत मतदाताओं से दूर होती गई। उसने इन वर्षों में कभी भी भाजपा के गैर-जाट समीकरण में सेंध लगाने की चेष्टा नहीं की। इसके विपरीत भाजपा ने योजनाबद्ध तरीके से ओमप्रकाश चोटाला तथा दुष्यंत चोटाला के दलों का जाट वोट काटने में और मायावती तथा चंद्रशेखर आजाद के दलों का अनुसूचित जाति के वोटों में सेंध लगाने में उपयोग किया तथा सफलता प्राप्त की। भाजपा के रणनीतिकार यह अच्छी तरह से जानते थे कि छोटे छोटे निर्वाचन क्षेत्रों में ये दल कांग्रेस के हजार पांच हजार वोट भी काटते हैं तो लो मार्जिन वाले चुनाव परिणामों में बहुत बड़ा फर्क आ जाता है।

एक और जो महत्वपूर्ण कारक कांग्रेस की हार का जिम्मेदार है वह है प्रत्येक प्रदेश में उन ही घिसे-पिटे नेताओं के हाथ में कांग्रेस चुनावी अभियान की कमान सौंपना जो लगातार पार्टी को चुनाव हरवाते रहे हैं तथा प्रत्याशी चुनाव में अपनी चलाते हैं। भूपेंद्र हुड्डा, अशोक गहलोत, कमलनाथ, हरीश रावत इसी श्रेणी में आते हैं किन्तु कांग्रेस हाईकमान अभी भी इन्हीं पर आश्रित है। इसके विपरीत भाजपा लगातार संगठन और सरकार के मुखियाओं में जरूरत के हिसाब से बदलाव करती रहती है।

चुनाव से छः माह पूर्व खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटा कर एंटी इंकंबेंसी को समाप्त करने की रणनीति उसकी इसी सोच का परिणाम है। यह रणनीति वह उत्तराखंड तथा गुजरात में भी सफलतापूर्वक अपना चुकी है। हरियाणा में कांग्रेस ने अधिकतर सीटों पर वही पुराने उम्मीदवारों को उतार कर बहुत बड़ी ग़लती कर दी।

कांग्रेस जब हरियाणा चुनावों में पहलवान, किसान और जवान की बात करती थी तो पब्लिक यह जानती थी कि इसका मतलब किसी एक जाति विशेष को संबोधित करना है। हरियाणा में बहुतायत छोटे व्यापारी, ठेली वाले, कर्मचारी, फैक्ट्री मजदूर, परिवहन कर्मी आदि की भी है जिनके लिए कांग्रेस के पास वादा करने के लिए कुछ भी नहीं था। जहां तक कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी के चुनाव प्रचार का जिक्र है तो वे अभी भी अडानी,संघ, सावरकर, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र आदि जुमलों से आगे नहीं बढ़ पाये। इन बातों का हरियाणा के मतदाताओं से कोई सरोकार नहीं था इसलिए मतदाताओं ने इनका अधिक संज्ञान भी नहीं लिया। इसके विपरीत नरेंद्र मोदी ने अपनी सीमित चुनाव सभाओं में सुशासन, भ्रष्टाचार, महिलाओं किसानों को पेंशन, मुफ़्त राशन जैसे जनता से जुड़े मुद्दों पर बात की और उसका प्रभाव पड़ा।

भाजपा का स्ट्रोंग क्षेत्र महेंद्र गढ, रेवाड़ी, गुरुग्राम की यादव पट्टी तथा जीटी रोड़ की पंजाबी सिख पट्टी रहा है जो इस बार भी मज़बूती से उसके साथ खड़ा रहा। अहीरवाल में राव इंद्रजीत के कारण भाजपा को हमेशा से मज़बूती मिली है। कांग्रेस के पास इन इलाकों में कोई बड़ा तथा प्रभावशाली नेता नहीं है। जाट पट्टी में कांग्रेस के जो मजबूत किले थे भिवानी, जींद और हिसार उनमें भी भाजपा ने अपने माइक्रो मैनेजमेंट के द्वारा सेंध लगा दी और चौटाला परिवार तथा बंसीलाल परिवार के माध्यम से जाट वोट कटवा कर तथा वहां अपने गैर जाट मतदाताओं को एकबद्ध करके लगभग दस सीटें झटक लीं और यही दाव निर्णायक सिद्ध हुआ। यदि भूपेंद्र हुड्डा इन इलाकों में टिकट वितरण में समझदारी दिखाते और प्रचार में अधिक ध्यान देते तो परिणाम सकारात्मक आ सकते थे। यहां यह जानना महत्वपूर्ण है कि भाजपा और कांग्रेस की सीटों में फ़र्क दस सीटों का है और यदि कांग्रेस उक्त जाट पट्टी में इनमूं से छः सीटें भी अतिरिक्त ले लेती तो भाजपा से एक सीट ज्यादा लेकर सरकार बनाने की स्थिति में आ जाती।

कांग्रेस ने तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव की पार्टियों से भी कोई सबक नहीं सीखा। ये दोनों दल भरपूर कोशिश करने के बाद भी यादव और मुस्लिम वोटबैंक से आगे नहीं बढ़ सके जिसके कारण सत्ता बहुत वर्षों से इनसे दूर ही रही है। हरियाणा में कांग्रेस जाट और मेव (मुस्लिम) मतदाताओं से आगे जाकर अपनी पैठ स्थापित नहीं कर सकी यहां तक कि सिरसा जिले को छोड़कर वह अन्य भागों में अनुसूचित जाति के वोटरों को लुभाने में कुमारी शैलजा का भी उपयोग करने में असफल रही।

हरियाणा में भाजपा की इस बार की अनपेक्षित सफलता केवल मोदी मैजिक नहीं है और ना ही प्रदेश सरकार की गुड गवर्नेंस के कारण है अपितु जाट वोटों में टैक्टिकल विभाजन होना तथा इस प्रदेश में गैर जाट जातियों का भाजपा की छतरी तले शांत लामबंदी है जिसका आगे असर हमें उत्तरप्रदेश, बिहार तथा राजस्थान में भी देखने को मिल सकता है जहां कथित दबंग जातियों के विरुद्ध इसी प्रकार की साइलेंट मोर्चाबंदी हो सकती है।

अरविंद कुमार संभव
जयपुर राजनैतिक विश्लेषक एवं स्वतंत्र टिप्पणीकार

मैदान में मजबूत होने के लिए ग्राम पंचायत तक पहुंचेगी कांग्रेस

- 230 विधानसभा क्षेत्रों में बनाए जा रहे हैं प्रभारी, 2 महीने में हो जाएगा गठन, 30-30 दिन के दो चरण में होगा काम

इंदौर। सेक्टर, मंडलम और वार्ड के बाद कांग्रेस ने अब मैदान में मजबूत होने के लिए ग्राम पंचायत तक पहुंचने का फैसला लिया है। पार्टी की संगठन स्तर की सबसे छोटी इकाई अब ग्राम पंचायत स्तर की रहेगी। इसके लिए दो महीने का एक चरणबद्ध कार्यक्रम तय किया गया है। इसकी शुरुआत प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त करने के साथ ही हो जाएगी।

अलग-अलग स्तर पर विचार-विमर्श और पार्टी नेताओं के बीच हुए सामूहिक मंथन के बाद यह बात सामने आई थी कि पंचायत स्तर पर संगठन का कोई ढांचा नहीं होने के कारण पार्टी का काम और कार्यक्रम निचले स्तर पर व्यवस्थित तरीके से आकार ही नहीं ले पाते। ग्रामीण नेतृत्व भी इस कारण उभर नहीं पाता है। इसी के चलते ग्राम पंचायत स्तर पर पार्टी की सबसे छोटी इकाई के गठन का निर्णय लिया गया। इसके पहले कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा सबसे छोटे स्तर पर वार्ड स्तर का था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मुताबिक अगले दो महीने में इस काम को पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए 30-30 दिन के दो चरण में काम होगा। सबसे पहले 230 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह प्रभारी जिला कांग्रेस कमेटियों के साथ तालमेल जमाकर इस काम को आगे बढ़ाएंगे। जरूरत पडने़ पर भी संबंधित जिले में एक टीम बनाकर काम करेंगे। प्रदेश कांग्रेस द्वारा इस काम की सतत मॉनीटरिंग होगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रभारी के प्रशिक्षण के बाद 60 दिन में हर हालत में यह काम पूरा कर लिया जाए। पंचायत स्तर की इकाई का भी एक ढांचा रहेगा और इसी के मुताबिक पदाधिकारी बनाए जाएंगे। पार्टी ने यह भी तय किया है कि शहर व जिला स्तर पर जहां भी वार्ड इकाइयों का गठन नहीं हुआ है उस काम को भी संबद्ध इकाइयों के माध्यम से प्राथमिकता से पूर्ण किया जाएगा। यह काम भी पंचायत इकाई के गठन के साथ-साथ ही चलेगा। इसके लिए जिला प्रभारी की बैठक जल्दी ही बुलाई जा रही है।

सेक्टर-मंडलम ही अधूरे

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए कमलनाथ ने सबसे ज्यादा जोर सेक्टर और मंडलम के गठन पर दिया था और विधानसभा चुनाव के पहले इस काम में पूरी ताकत झोंक दी थी।

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट के लिए जिन लोगों का दावा था उन्हें भी इस काम में लगाया गया था। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदाप्रसाद प्रजापति इसके प्रभारी थे, लेकिन अपेक्षा के मुताबिक काम न होने पर कमलनाथ ने सारे सूत्र अपने हाथ में ले लिए थे। लेकिन अभी भी कई जगह सेक्टर और मंडलम स्तर पर संगठन का ढांचा खड़ा नहीं हो पाया।

100 फीसदी सैलरी के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे कर्मचारी

कलमनाथ सरकार ने बीच में बना दिए नियम

इंदौर। मप्र के सरकारी कर्मचारी 100 फीसदी सैलरी के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। प्रदेश के करीब 70 हजार नवनियुक्त कर्मचारी कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। मामले को लेकर कर्मचारी हाईकोर्ट में याचिका लगाएंगे। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी कोर्ट जाएंगे।

साल 2019 के बाद भर्ती हुए सरकार कर्मचारी कोर्ट जाएंगे। इनमें स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग के कर्मचारी शामिल है। कर्मचारी तत्कालीन कमलनाथ सरकार के फैसले के खिलाफ कोर्ट जाएंगे। कमलनाथ सरकार ने 2019 में तृतीय और चतुर्थ कर्मचारी को लेकर फैसला लिया था। जॉइनिंग के पहले साल 70 फीसदी, दूसरे साल 80 फीसदी, तीसरे साल 90 फीसदी और चौथे साल से 100 फीसदी सैलरी मिलने की बात कही गई थी। इसी फैसले के विरोध में कर्मचारी कोर्ट जाएंगे। कर्मचारियों का कहना है कि हमने फॉर्म 100 फीसदी सैलरी देखकर भरा था सरकार ने बीच में नियम बना दिए।

कटाक्ष

वोट बगर गए...नोट बगर गए ...

आगड़ दम बागड़ दम
वोटर ज्यादा वोट कम
चुनाव में हारे तुम
चुनाव लड़के निपुर गये वों
फिर
वोट बगर गए
नोट बगर गए
दारू बगर गई
वोट काए न दाय वोटरा
आगड़ दम बागड़ दम
वोटर ज्यादा वोट कम
आगड़ दम बागड़ दम
बातें ज्यादा शासन कम
झूठ ज्यादा सचाई कम
मोड़िन खों आंसू बहें हैं
झमझम झम झमझम झम
गुंडा हमखों मथें यहां हैं
जमजम जम जमजम जम
फिर
वर्कर बगर गए
नेता बगर गए
मशीन बगर गई
वोट येही से न पाए रे नेतवा
आगड़ दम बागड़ दम
वोटर ज्यादा वोट कम
आगड़ दम बागड़ दम
अगली बेरा जब तुम अइय्यो
अच्छा काम करके दिखइय्यो
गुस्सा में नरमी तुम लइय्यो
फिर नई तो
हड्डी बगर गई
जेल हो गई
अकड़ टके में सेल हो गई
कुर्सी पर तुम इस जनम न बैठयो
आगड़ दम बागड़ दम
वोटर ज्यादा वोट कम
चुनाव में हारे हम
आगड़ दम बागड़ दम

डॉ. प्रदीप मिश्र
सतना मध्य प्रदेश

केंद्र की एक हां से शहर जैसे चमकने लगेंगे के गांव

प्रदेश में 100 से 150 नई ब्लॉकों का हो सकता है गठन

इंदौर। मप्र सरकार प्रदेश के गांवों को चमकाने के लिए एक नई कवायद शुरू करने जा रही है। अगर केन्द्र सरकार इसको मंजूरी दे देती है तो एमपी की तस्वीर और तकदीर बदल सकती है। अपने विशाल भौगोलिक क्षेत्रफल के कारण गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में एमपी सरकार प्रदेश के विकासखंडों का नए सिरे से गठन करने जा रही है। जिसके तहत पुराने 313 ब्लॉकों का भी नक्शा बदलेगा और प्रदेश को 100 से 150 नए ब्लॉक भी मिल सकते हैं। जिसके लिए केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की रूपरेखा बनेगी और उसके लिए बजट का भी आवंटन होगा।

विकासखंड नहीं बने

प्रदेश के गठन के बाद अब तक एक भी नए विकासखंड का सृजन नहीं हुआ है, लेकिन इस दौरान प्रदेश की आबादी करीब तीन गुना बढ़ गयी है। तहसीलों और जिलों की संख्या तो राजनीतिक और प्रशासनिक कारणों से बढ़ती गयी, लेकिन विकासखंड के गठन के मामले में कोई काम नहीं हो सका।

आज एमपी में 55 जिले हो चुके हैं और तहसीलों की संख्या भी 428 पहुंच गयी है, लेकिन विकासखंड जस के तस हैं। प्रदेश में कई गांव ऐसे हैं, जो अपने विकासखंड मुख्यालय से काफई दूर हैं। इस वजह से कई बार उन तक बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पाती। जिस वजह से ये गांव विकास से नहीं जुड़ पा रहे हैं।

राज्य परिसीमन आयोग कर रहा है कवायद

प्रदेश के कई इलाकों में नए जिलों की मांग चल रही है। इन मांगों को लेकर मोहन यादव सरकार ने राज्य परिसीमन आयोग का गठन किया है और तय कर दिया है कि राज्य परिसीमन आयोग की सिफारिशों के हिसाब से जिलों का गठन होगा। इसी कवायद के साथ परिसीमन आयोग नए विकासखंडों के सृजन की कवायद में भी जुटा है। दरअसल, अभी प्रदेश के तमाम विकासखंडों में करीब डेढ़ सौ गांव है। जो विकास योजनाओं के मामले में तो पिछड़ ही जाते हैं। साथ ही विकासखंड मुख्यालय से दूरी के कारण मुख्यधारा से भी कट जाते हैं। ऐसे में ये गांव बुनियादी सुविधाओं का अभाव तो झेलते हैं।

राज्य परिसीमन आयोजन की कोशिश है कि मध्य प्रदेश में करीब 100 से 150 ब्लॉक का नए सिरे से गठन किया जाए और एक विकासखंड में 70 से ज्यादा गांवों को शामिल नहीं किया जाए। क्योंकि कई विकासखंड मुख्यालय के कई गांव आबादी और के लिहाज से इतने बड़े हो चुके हैं कि वो खुद विकासखंड बनने का दावा रखते हैं।

ब्लॉक पर घटेगा दबाव

हालांकि राज्य परिसीमन आयोग की इस कवायद पर अंतिम मुहर केंद्र सरकार की लगेगी। अगर केंद्र एमपी सरकार के इस प्रस्ताव को हरी झंडी देता है तो मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार से 29 योजनाओं में मिलने वाली राशि बढ़ जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक ये 5 हजार करोड़ से ज्यादा हो सकती है। दूसरी तरफ नए ब्लॉक बनने से विकास कार्यों के लिए विकासखंड पर गांवों की संख्या का दबाव घट जाएगा और ग्रामीण विकास की योजनाओं और कार्य सुचारू रूप से हो सकेंगे। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का कहना है कि, प्रदेश में कई जिलों की मांग चल रही है। कई तहसीलें या कस्बे किसी दूसरे जिले में शामिल होना चाहते हैं। इनके गठन को लेकर राज्य परिसीमन आयोग तैयारी कर रहा है। हमारी कोशिश ये भी है कि इसके साथ ही प्रदेश के विकासखंड का नए सिरे से गठन हो सके। उस पर भी परिसीमन आयोग काम करे। हालांकि केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद ब्लॉक का गठन होगा। लेकिन अब नए सिरे से जिले, तहसील या ब्लॉक का गठन परिसीमन आयोग की सिफारिश के आधार पर होगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com